

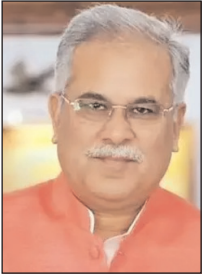


भूपेश बघेल की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने शामिल होने से इंकार किया

चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में बगावत

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वर्डिंग ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह पंजाब के लिए कांग्रेस महासचिव प्रभारी भूपेश बघेल और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चनी के बीच होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे। यह बैठक शनिवार को होनी है और यह बैठक चनी और सुखजिंदर सिंह रंधावा के आंतरिक मतभेद की खबरों के बीच पिछली बैठक में शामिल न होने के बाद हो रही है। हट्टु से बात करते हुए राजा वर्डिंग ने माना कि बैठक में उनके खिलाफ बातें हो सकती हैं, क्योंकि पंजाब कांग्रेस में मतभेद लीडरशिप में बदलाव की वजह से हैं और वे खुद स्टेट कांग्रेस चीफ हैं।

वर्डिंग ने कहा कि भूपेश बघेल बैठक में जा रहे हैं। आने वाले दिनों में सब ठीक हो जाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं जाऊंगा, क्योंकि हो सकता है कि मेरे खिलाफ बातें हों। बेहतर होगा कि वे मेरे बिना ही बैठक करें। कभी-कभी ईमान आमने-सामने खुलकर बात नहीं करता और दूसरे व्यक्ति को बुरा भी लग सकता है। इसलिए बैठक है कि वे मेरे बिना ही बैठक करें। हम सब एकजुट हैं। छोटी-मोटी बातें लीडरशिप के साथ बातचीत से सुलझ ली जाएंगी। मुझे किसी से कोई दिक्कत नहीं है।



कुछ सीनियर नेता पिता समान हैं और मैं उनके सामने झुकूंगा। इससे पहले दिन में, राजा वर्डिंग ने बताया कि भूपेश बघेल ने उन्हें मीटिंग के बारे में जानकारी दी थी और कहा था कि बघेल एक बड़ी बातचीत से पहले निजी तौर पर चर्चा करना चाहते हैं। वर्डिंग ने कहा कि भूपेश बघेल ने मुझे बताया कि कल एक मीटिंग तय की गई है, हालांकि मुझे जगह या इंतजामों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने मुझे से कहा कि वह पहले निजी तौर पर बात करेंगे और फिर हम चर्चा के लिए बैठेंगे। मुझे लगता है कि अगले एक-दो दिनों में आप सभी को एक ही मंच पर देखेंगे। बस एक ऐसे सीनियर नेता का नाम बताइए जिसने कहा हो कि वह अध्यक्ष को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

आंतरिक मतभेदों के बावजूद, राजा वर्डिंग ने भरोसा जताया कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस यूनिट एकजुट बनी हुई है। बघेल और चनी के बीच होने वाली बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा होनी और पार्टी में एकजुटता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दतिया में आशुतोष भाजपा प्रत्याशी

भोपाल। मध्य प्रदेश की बहुचर्चित दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी। पार्टी ने आशुतोष तिवारी को चुनाव मैदान में उतारते हुए लंबे समय से चल रही सभी अटकलों पर विराम लगा दिया। पूर्व गृह मंत्री एवं दतिया से कई बार विधायक रह चुके डॉ. नरोत्तम मिश्रा का नाम संभावित उम्मीदवारों में सबसे आगे माना जा रहा था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने अंततः आशुतोष तिवारी पर भरोसा जताया। गौरतलब है की दतिया विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद कराया जा रहा है। न्यायालय से दोषसिद्धि के बाद उनकी सदस्यता रद्द हो गई थी, जिसके चलते यह सीट रिक्त घोषित हुई और निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया। भाजपा में प्रत्याशी चयन को लेकर पिछले कई दिनों से लगातार मंथन चल रहा था। डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों को उनकी उम्मीदवारी की पूरी उम्मीद थी। राजनीतिक हलकों में भी माना जा रहा था कि पार्टी इस प्रतिष्ठित सीट पर नरोत्तम मिश्रा के चेहरे को फिर मैदान में उतार सकती है। हालांकि संगठन ने स्थानीय और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए आशुतोष तिवारी को टिकट देने का फैसला किया। प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही दतिया में चुनावी माहौल और गर्म हो गया है। भाजपा ने चुनाव प्रचार की तैयारियां तेज कर दी हैं, वहीं कांग्रेस भी सीट बरकरार रखने के लिए अपनी रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले दिनों में दोनों प्रमुख दलों के बीच जोरदार चुनावी मुकाबला देखने को मिल सकता है। दतिया उपचुनाव को मध्य प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक लड़ाइयों में शामिल माना जा रहा है। इस चुनाव के परिणाम पर प्रदेश की राजनीति की नजर रहेगी।



निजी सुरक्षा एजेंसियां ही करेंगी बंदरगाहों की सुरक्षा: गृहमंत्री



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सबनंद सोनोवाल ने शुक्रवार को पत्तन सुरक्षा ब्यूरो (बीओपीएस) के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा की। गृह मंत्री ने मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में फिशिंग हार्बर्स और फिश लैंडिंग सेंटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसरो द्वारा विकसित 'नभमित्र' एप का और प्रचार-प्रसार हो, जिससे अधिक से अधिक संख्या में नाविक इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकें। बंदरगाहों की सुरक्षा में केवल लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसी ही रहें। वहां पर केवल सीआईएसएफ से प्रशिक्षित निजी सुरक्षा कर्मियों की ही तैनाती की जाए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्तन सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान के लिए वर्तमान में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर में सुरक्षाकर्मियों का प्रशिक्षण जल्द शुरू

करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीओपीएस में तैनात किए जाने वाले सुरक्षाकर्मियों का एक डेटाबेस बनाया जाए। बीओपीएस की सुरक्षा व्यवस्था वाले सभी बंदरगाहों पर कंटेनर स्कैनिंग की व्यवस्था हो। गृह मंत्री ने सीआईएसएफ को देश के बड़े बंदरगाहों, जैसे विशाखापत्तनम पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट और मुंद्रा पोर्ट पर जाकर बीओपीएस को सौंपी जाने वाली सुरक्षा का ट्रायल करें। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए कृतसंकल्प है। बीओपीएस जहाजों और बंदरगाहों पर सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निरीक्षण कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा। बीओपीएस सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का समयबद्ध विश्लेषण, संग्रहण और आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान होगा।

कांग्रेस में नहीं होगा शरद पवार की पार्टी का विलय : सुप्रिया

मुंबई। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शुक्रवार (10 जुलाई) को उनकी पार्टी के कांग्रेस से विलय की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है और दोनों दल सहयोगी के रूप में साथ मिलकर काम करते रहेंगे। एनसीपी और कांग्रेस महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी और राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के घटक दल हैं। पुणे में सुप्रिया सुले ने मीडिया से बातचीत में कहा, एनसीपी (एसपी)



किसी भी विलय की बातचीत में शामिल नहीं है। न तो हमें कांग्रेस की ओर से कोई प्रस्ताव मिला है और न ही हमने विलय को लेकर उन्हें कोई प्रस्ताव दिया है। एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। दोनों दल राजनीतिक मुद्दों पर नियमित रूप से आपसी समन्वय करते

हैं। बारमती से लोकसभा सांसद ने कहा, जब भी मैं दिल्ली आती हूं, (कांग्रेस सांसद) प्रियंका गांधी से मिलने का समय लेती हूं और हम महाराष्ट्र के राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक घटनाक्रमों पर चर्चा करते हैं। महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ भी नियमित रूप से चर्चा करती हूं। कई संयुक्त संसदीय समितियों में हम (राकांपा (शप) और कांग्रेस) साथ मिलकर काम कर रहे हैं और विभिन्न मुद्दों पर अक्सर अपना रुख मिलकर तय करते हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी छह दिवसीय तीन देशों की सफल यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने स्वयं हवाई अड्डे पर पहुंच कर किया। चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली न्यूजीलैंड यात्रा इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रही है क्योंकि यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच तेजी से बदलते सामरिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और जनसंपर्क आधारित संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण अवसर भी है।

पहले वंदे मातरम, फिर होगा जन-गण-मन... दूसरी बार जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगान जन-गण-मन और राष्ट्रीय वंदे मातरम को लेकर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नियमों में पहले से तय है कि किन कार्यक्रमों में दोनों को गाना या बजाना जरूरी है। रूढ़ ने कहा कि नई गाइडलाइन में उन मौकों की पूरी लिस्ट दी गई है जिन पर भारत का राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान बजाया या गाया जाना चाहिए। 9 जुलाई के आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय गीत नागरिक सम्मान समारोहों के मौकों पर, राष्ट्रपति के औपचारिक राजकीय कार्यक्रमों और सरकार द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों में उनके आने और वहां से जाने के समय, इसके साथ ही राष्ट्रपति द्वारा ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन पर देश को संबोधित करने से ठीक पहले और बाद में गाया जाएगा। इसे राज्यपाल और उप-राज्यपाल के अपने राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में औपचारिक राजकीय कार्यक्रमों में आने और वहां से जाने के समय, और परेड में राष्ट्रीय ध्वज लाए जाने के समय भी बजाया जाएगा।

बीच सुनवाई पहले जज पर फेंके कागज, फिर गाली देते हुए बोला- इसे सीजेआई को दे देना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नाटकीय हालात देखने को मिले, जब इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान, खुद पेश हुए एक शिकायतकर्ता ने बीच की तरफ कागजात फेंके और अपशब्द कहे। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया। यह घटना जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। शिकायतकर्ता ने अपनी दलीलों की शुरुआत में कहा कि माननीय न्यायिक सेवक, मैं आपको लखनऊ के एसपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूँ। इस टिप्पणी से अचंभित होकर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा कि आप मुझे आदेश दे रहे हैं? आप हमें आदेश दे रहे हैं? कोर्ट में जवाब देते हुए शिकायतकर्ता ने कहा कि मेरी तरफ से बस इतना ही है। सब कुछ रिकॉर्ड पर है। लाइव लॉ के अनुसार, इसके कुछ ही देर बाद मामला तब और बढ़ गया जब याचिकाकर्ता ने अपने केंस के कागजात हवा में उछाल दिए और आरोप है कि चीफ जस्टिस के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

अयोध्या में सपा-कांग्रेस पर बरसे मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही हैं और जो लोग अब आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अब भगवान राम और आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही हाल ही में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा अयोध्या के विकास का विरोध किया है और उन प्रोजेक्ट्स का मजकूर भी उड़ाया है जो अब हकीकत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। समाजवादी पार्टी के नेता इस विचार का मजकूर उड़ाते थे।



कांग्रेस ने भ्रष्टाचार पर राजधर्म निभाने की मांग की

नई दिल्ली। शुक्रवार को कांग्रेस ने राजनीतिक जवाबदेही की मांग करते हुए कहा कि जब किसी मंत्री के करीबी सहयोगियों को भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त किया जाता है, तो उन्हें पद छोड़ने पर विचार करना चाहिए और अपना राजधर्म निभाना चाहिए। पार्टी ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के कार्यालय से चार कर्मचारियों की बर्खास्तगी का उदाहरण देते हुए यह बात कही। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उदाहरण देते हुए सरकार पर निशाना साधा। रमेश ने एक्स पर कहा कि क्या भारतीय राजनीति में नैतिक ज़िम्मेदारी का विचार अभी भी ज़िंदा है? लाल बहादुर शास्त्री ने तब सबसे ऊंचे मानक स्थापित किए थे, जब उन्होंने ठीक 70 साल पहले तमिलनाडु में हुए एक ट्रेन हादसे के बाद रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके उदाहरण को अक्सर याद किया जाता है और उनकी बहुत तारीफ भी होती है, लेकिन शायद ही कभी किसी ने उनका अनुसरण किया हो।



मुझे चुप कराने के लिए मेरी जान लेनी होगी : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर पार्टी नेताओं—जिनमें लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी, महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी शामिल हैं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर सत्ताधारी पार्टी उन्हें चुप कराना चाहती है, तो उन्हें उनकी जान लेनी होगी। एक वीडियो संदेश में, बनर्जी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल में हालिया बगावत और पार्टी के अस्तित्व पर मंडराते संकट के बारे में बात की। पार्टी छोड़कर जाने वालों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए, उन्होंने उन लोगों को शुभकामनाएं दीं जिन्होंने भाजपा में शामिल होकर पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं किया। भाजपा पर टीएमसी नेताओं को डराने-धमकाने की हर मुमकिन कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मुझे चुप कराने के लिए आपको मेरी जान लेनी होगी। हाँ, आपने इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।



सीएम सम्राट ने पेंशनधारियों के खाते में 1100-1100 रुपये भेजे

पटना। बिहार के लाखों बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 97,84 लाख लाभार्थियों के खाते में 1100-1100 रुपये भेजे हैं। राज्य सरकार की ओर से यह राशि आर्थिक सहायता के रूप में दी गई है। इसमें वृद्धजन पेंशन, दिव्यांग पेंशन और विधवा महिलाओं को मिलने वाली पेंशन योजनाओं के लाभार्थी शामिल हैं। सरकार ने पेंशन भुगतान को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि हर महीने की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में भेजने की व्यवस्था की गई है। सरकार का कहना है कि समय पर पेंशन मिलने से बुजुर्गों, दिव्यांगों और जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहारा मिलेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने पेंशन मीडिया अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत लाभार्थियों को 400 रुपये दिए जाते थे। अब इस राशि को बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया गया है। एसएम ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाना है।



स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगी हरित रेल क्रांति का आगाज

विनोद कुमार सिंह

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनेरखा भी है। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वंदे भारत, अमृत भारत, समर्पित माल गलियारे, कवच जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। उचित दिनों दिल्लीडुर्गाद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित, आत्मनिर्भर और भविष्य

उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है। विश्वसनिय सूत्रों के अनुसार भारतीय रेल की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ अगले सप्ताह प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा से इसे हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित कर सकते हैं। यह कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी शेष है, लेकिन सफल परीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय रेल हरित ऊर्जा आधारित परिवहन के नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है। यह केवल एक नई ट्रेन का शुभारंभ नहीं होगा, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय का उद्घोष भी होगा। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन को

चुनौती से जूझ रही है। परिवहन क्षेत्र को प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में माना जाता है। ऐसे समय में स्वच्छ ऊर्जा आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता भी बन चुकी है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि रेलवे अब पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारतीय रेल का नेटवर्क लगभग 68,500 रूट किलोमीटर में फैला हुआ है। प्रतिदिन लगभग 2.3 करोड़ यात्री तथा 30 लाख टन से अधिक माल का परिवहन इसी नेटवर्क के माध्यम से होता है। पिछले



कुछ वर्षों में रेलवे ने अपने अधिकांश ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण कर लिया है, फिर भी अनेक ऐसे रेलखंड हैं जहाँ ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक अथवा भौगोलिक दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है। ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें डीजल इंजनों का स्वच्छ, टिकाऊ और प्रभावी विकल्प बन सकती हैं। हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींदडू सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्लीडुर्गाद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की

परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है। परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस ट्रेक्शन प्रणाली, ऑक्सिलेशन, सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई। किसी भी नई रेल तकनीक को नियमित संचालन में शामिल करने से पहले ऐसे परीक्षण अनिवार्य होते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन की विश्वसनियता सुनिश्चित की जा सके। इन परीक्षणों की सफलता भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की तकनीकी दक्षता का भी परिचायक है।

भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण चेन्नई स्थित इटीग्रल कोच फैक्टरी में किया गया है, जबकि हरियाणा के जींद में हाइड्रोजन उत्पादन तथा री-फ्यूलिंग की आधारभूत संरचना विकसित की गई है।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल उन्नत तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनका स्वदेशी निर्माता बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा इस परियोजना में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है। हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका पर्यावरण-अनुकूल होना है। इसमें पारंपरिक डीजल इंजन नहीं होता। फ्यूल-सेल में हाइड्रोजन और वातावरण की ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेक्शन मोटर संचालित होती है। इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड, धुआँ अथवा अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है। यही कारण है कि हाइड्रोजन ट्रेन को भविष्य के सबसे स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन साधनों में शामिल किया जा रहा है। यदि हाइड्रोजन का उत्पादन सही, पवन अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से किया जाए तो उसे ग्रीन हाइड्रोजन कहा जाता है। भारत सरकार का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन इसी सोच का परिणाम है। भारतीय रेल में हाइड्रोजन तकनीक का प्रयोग इस मिशन को व्यवहारिक आधार प्रदान करता है और देश को स्वच्छ ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम बन सकता है। विश्व स्तर पर अभी बहुत कम देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक को व्यावहारिक रूप से अपनाया है।



बेमेतरा के बेरला में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए अरुण साव

छात्रों को पुस्तक और शिक्षा सामग्री वितरित की गई, नेवता भोज कार्यक्रम का भी आयोजन, साव ने कहा- ड्रॉपआउट रेट कम करना लक्ष्य

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में उत्सव के रूप में शाला प्रवेशोत्सव जगह-जगह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के बेरला में भी जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं बेमेतरा जिला के प्रभारी मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डिप्टी सीएम की मौजूदगी में बच्चों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्कूलों में स्वागत किया गया। चाहे वह शिक्षकों का स्कूल में नेवता भोज कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल, प्रदेश

के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू और बेमेतरा के विधायक दीपेश साहू मौजूद रहे। डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि इस जिला स्तरीय उत्सव में न केवल नए बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया गया, बल्कि जिले के होनहारों की हौसला अफजाई भी की गई। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बच्चों को शैक्षणिक सत्र के लिए निशुल्क पाठ्यपुस्तकें और अन्य शिक्षण सामग्रियां भी वितरित की गईं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। चाहे वह शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण हो या फिर स्कूलों में नियमित पैरेंट-टीचर मीटिंग का आयोजन, हम हर स्तर पर सुधार कर रहे हैं।

शिक्षकों की कमी से नाराज होकर स्कूल में जड़ा ताला, मनाने में जुटे अफसर



बालोद। बालोद ब्लॉक के लिमोरा गांव में शिक्षकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने उग्र कदम उठाते हुए स्कूल में ताला जड़ दिया है। ग्रामीणों ने गांव के प्राइमरी, मिडिल और हायर सेकेंडरी तीनों स्कूलों के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि प्राइमरी से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूल तक कुल 200 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए सिर्फ 12 शिक्षक ही हैं। शिक्षकों की इस भारी कमी के कारण बच्चों

की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रशासन से शिक्षकों की कमी को दूर करने की मांग की थी। शिकायतों के बाद भी जब प्रशासन ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया, तो थक-हारकर ग्रामीणों को तालाबंदी जैसा कड़ा कदम उठाना पड़ा। स्कूल में तालाबंदी की खबर मिलते ही आला अधिकारी आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। अधिकारी लगातार पालकों और बच्चों को समझाने-बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

केंद्र और राज्य सरकार का जलाया पुतला



धमतरी। कांग्रेस के प्रदेश कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में धमतरी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मैदान के पास बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। गांधी मैदान के पास बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर तक हल्की नोकझोंक भी हुई, हालांकि स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, पूर्व विधायक लेखराम साहू समेत अन्य नेता शामिल थे।

कांग्रेस का हल्लाबोल, केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेसियों ने उग्र प्रदर्शन किया।

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेश पर बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेमेतरा शहर के प्रमुख %घड़ी चौक% पर एकत्रित होकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। बेमेतरा जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार ईडी (श्वष्ट) जैसी स्वतंत्र



और संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

आशीष छाबड़ा ने कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई पूरी तरह से भाजपा सरकार के नेताओं के इशारे पर की गई है।

भाजपा नेताओं को चेतावनी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष

आशीष छाबड़ा ने कहा मैं इस प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं कि कांग्रेसी कभी दहन वाले नहीं हैं। हम हमेशा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते आए हैं।

भाजपा कांग्रेस नेताओं को डराने की राजनीति बंद करे और स्वतंत्र एजेंसियों का दुरुपयोग रोके। जिला कांग्रेस अध्यक्ष

आशीष छाबड़ा ने बताया कि यह प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित किया गया है, जिसके तहत बेमेतरा के घड़ी चौक पर पुतला दहन किया गया। आंदोलन में बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आम लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है।

आंधी तूफान में पेड़ से गिरकर हुई मौत भी प्राकृतिक आपदा, प्रशासन को मुआवजा देने का निर्देश : हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्राकृतिक आपदा से मौत पर मुआवजा के लिए राज्य सरकार की नीति पर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि आंधी-तूफान और तेज बारिश के



दौरान पेड़ से गिरकर हुई मौत भी प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में आएगी। कोर्ट ने राजस्व विभाग द्वारा मुआवजा न देने का आदेश निरस्त करते हुए मृतक के बेटे को 30 दिन के भीतर चार लाख रुपये मुआवजा देने के निर्देश दिए। राजनांदगांव जिले के मोहला क्षेत्र निवासी अमर सिंह के पिता श्यामराम मंडावी 16 जुलाई 2020 को पेड़ पर चढ़कर लाख निकाल रहे थे। इसी दौरान तूफान और तेज बारिश के कारण पेड़ से नीचे गिर गए।

गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की और पोस्टमार्टम सहित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं।

कोर्ट ने राज्य सरकार की प्राकृतिक आपदा राहत नीति के तहत चार लाख रुपए मुआवजे के लिए आवेदन किया नायब तहसीलदार ने सभी दस्तावेजों और जांच रिपोर्ट के आधार पर मुआवजा देने की अनुशंसा भी की, लेकिन अतिरिक्त कलेक्टर ने 1 फरवरी 2021 को यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि पेड़ से गिरने से हुई मौत पर मुआवजा का प्रावधान नहीं है।

आश्रम से लाखों के पेड़ चोरी, आरोपियों की तलाश जारी

बालोद। बालोद जिले के ग्राम हथौद स्थित मुकानंद आश्रम परिसर से चंदन के पेड़ों की चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाश गुरवार को रात के अंधेरे में आश्रम परिसर में घुसे और खेत की मेड़ पर लगे पांच चंदन के पेड़ों को काटकर ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही आश्रम प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पूरा मामला कोतवाली थाना बालोद का है। डेमोग्राफिक्स जानकारी के अनुसार, आश्रम परिसर के खेत की मेड़ पर कुल 10 चंदन के पेड़ लगे हुए थे, जिन्हें करीब 20 से 25 साल पुराना बताया जा रहा है। चोर फेंसिंग के तार तोड़कर अंदर घुसे और मशीन से पांच पेड़ों को काटकर अपने साथ ले गए। चोरी हुए पेड़ों की ऊंचाई करीब 7 से 8 फीट बताई जा रही है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर

आसपास के साक्ष्य जुटा रही है और अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी मोनिका ठाकुर ने बताया कि मुकानंद आश्रम परिसर स्थित खेत से 5 चंदन के पेड़ों की चारो की घटना की रिपोर्ट दर्ज हुई है। अज्ञात आरोपियों को पतासाजी की जा रही है। चोरी हुए पेड़ों की कीमत करीब 5 लाख रुपए की बताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

स्कैप चोरी मामले में जीएम समेत दो अधिकारी गिरफ्तार

भिलाई दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट में 250 टन लौह स्कैप चोरी के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएसपी के एक जीएम और एक इंजीनियरिंग एसोसिएट को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को भिलाई-3 पुलिस ने एसएमएस-3 विभाग में पदस्थ जीएम हिमांशु भूषण मलिक और इंजीनियरिंग एसोसिएट मनोज देवांगन को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में दोनों अधिकारियों की इस संगठित लोहा चोरी सिंडिकेट में संलिप्तता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। दरअसल मामला 26 मई को सामने आया था, जब भिलाई-3 थाना क्षेत्र के अकलरडीह स्थित एके ट्रेडर्स स्कैप यार्ड में पुलिस ने छापेमारी कर करीब 250 टन लौह सामग्री जब्त की थी। बरामद स्कैप की अनुमानित कीमत 3 करोड़ 22 लाख रुपये से अधिक बताई गई। जांच में खुलासा हुआ कि फ्लाई एश परिवहन की आड़ में ट्रकों के नीचे स्टील प्लेट, बीम और अन्य स्कैप छिपाकर बाहर भेजा जाता था, जबकि ऊपर फ्लाई एश लोड रहती थी।

बेटी से बात करने से टोकना पड़ा महंगा, युवक ने पिता को पीटा

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के सम्बलपुर (नाहन्दा) गांव से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता को अपनी नाबालिग बेटी से बात करने से युवक को मना करना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब उसने अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर उसकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इस हमले में घायल पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह पूरा मामला देवरी थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सम्बलपुर निवासी गौकरण साहू अपने घर में सो रहे थे। तभी देर रात 6 आरोपी उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने सोते हुए गौकरण साहू पर बांस के डंडे और लकड़ी के राफ्टर से पीट, सिर और कमर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। पिता की चीख-पुकार सुनकर पास में सो रही उनकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी जाग गई। बेटी को उठता देख घर के अंदर हमला कर रहे 4 आरोपी और बाहर निगरानी रख रहे 2 युवक मौके से भाग निकले।

चलती स्कूल वैन का खुला गेट, सड़क पर गिरा मासूम

दुर्ग। दुर्ग जिले के भिलाई से लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां एक मासूम बच्चा चलती स्कूल वैन से सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि वैन के पीछे कोई वाहन नहीं था। वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना 8 जुलाई की दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। खुसीपार स्थित फर्बेल्स स्कूल की वैन बच्चों को उनके घर छोड़ने निकली थी। नर्दिनी रोड पर वैन एक बच्चे को उतारकर आगे बढ़ रही थी इसी दौरान पीछे बैठा एक मासूम का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे सड़क पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन के पीछे का गेट ठीक से बंद नहीं था। ड्राइवर ने जल्दबाजी में बच्चे को उतारने के बाद गेट लॉक नहीं किया। जैसे ही उसने वाहन की रफ्तार बढ़ाई, खुले गेट से बच्चा बाहर गिर गया। बच्चे के सड़क पर गिरने के बाद आसपास के दुकानदारों ने वैन चालक को रोकने के लिए आवाज लगाई लेकिन वह करीब 300 मीटर आगे निकल चुका था।

नशे में रईसजादे को गुंडागर्दी पड़ी महंगी, वाहन जलत

कोरबा। कोरबा में नशे में धुत एक रहिसजादे की बीच सड़क पर की गई गुंडागर्दी उसे भारी पड़ गई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर मानिकपुर चौकी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। कोरबा में नशे में धुत एक रहिसजादे की बीच सड़क पर की गई गुंडागर्दी उसे भारी पड़ गई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर मानिकपुर चौकी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना के समय सड़क पर स्कूली बच्चों की भीड़ थी, जिससे लोगों में दहशत फैल गई थी। 6 जुलाई 2026 की दोपहर एसईसीएल निहारिका मेन रोड स्थित हैलीपेड हनुमान मंदिर के पास एक युवक ने खुलेआम गुंडागर्दी की। आरोपी ने बीच सड़क पर बोलेरो चालक को दौड़ा-दौड़ाकर हाथ-मुकों से पीटा। घटना के दौरान सड़क पर करीब 15 मिनट तक लंबा जाम लग गया। स्कूलों की छुट्टी का समय होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चे और आम लोग वहां मौजूद थे।

एसपी कार्यालय से 500 मीटर दूर मन्दिर में मुकुट की चोरी

कांकर। कांकर जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से करीब 500 मीटर दूर स्थित शीतला मंदिर में बुधवार रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह तब हुई, जब मंदिर के पुजारी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उनकी तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि कांकर नगर के शीतला मंदिर में चोरों ने देवी मंदिर को भी नहीं बख्शा। आरोपियों ने मंदिर में रखी नकदी, सोने-चांदी के मुकुट, छत्र और दानपेटी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देने के लिए चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने देवी मां को चढ़ाए गए आभूषण और दानपेटी को तोड़कर उसमें रखी नकदी लेकर फरार हो गए। हैरानी की बात यह है कि चोरों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला कार्यालय से महज 500 मीटर दूर स्थित मंदिर को निशाना बनाया। चोरी की घटना से शहर में हड़कंप मच गया।

बारात लौटाने वाली युवती पहले हुई गुमशुदा, फिर लाल जोड़े में मिली शादीशुदा

मरम्मत के बाद भी गिर रहा प्लास्टर, धर्मशाला बना वैकल्पिक स्कूल



साहसिक फैसले के कारण उसे महिला परामर्श केंद्र में काउंसलर के तौर पर नियुक्त किया गया था। मुस्कान के फैसले का पुलिस समेत समाज के जनप्रतिनिधियों ने भी स्वागत किया था, लेकिन अब मुस्कान ने शादी करके लोगों को अचंभित कर दिया है। परिवार की माने तो मुस्कान काउंसलर के पद

पर नियुक्त होने के बाद अपने काम पर गुरुवार के दिन गई थी लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। शाम को वापस नहीं लौटने पर परिवार ने मुस्कान के नंबर पर फोन लगाया, लेकिन उसका नंबर बंद मिला। फिर इसकी सूचना थाने तक पहुंची। मुस्कान के गायब होने की जानकारी एसपी तक

पहुंची और उन्होंने टीम गठित तक खोजबीन चालू की। एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने चांपा थाना प्रभारी के साथ साइबर सेल और सीएसपी जांजगीर को जांच का जिम्मा सौंपा। पुलिस ने मुस्कान के परिजन, मित्र और अन्य स्थानों की तलाश की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद सीएसपी योगिता खापर्डे ने खोखरा गांव पहुंच कर पूछताछ की और उस युवक के घर पहुंची जिसकी बारात मुस्कान ने वापस कराई थी। मुस्कान और संतराम ने पुलिस को बताया कि 23 जून को जब बारात कोसमंदा गांव पहुंचा तो किसी ने साजिश कर उसे

कोल्ड ड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाया था। जिसके कारण माहौल खराब हुआ और मुस्कान ने शादी करने से इंकार कर दिया। शादी से इंकार करने के कुछ दिन बाद संत राम और मुस्कान फिर से बात करने लगे। इसी दौरान संतराम ने उसे शादी वाले दिन हुई साजिश के बारे में जानकारी दी। इस जानकारी के बाद मुस्कान को संतराम पर भरोसा हो गया और दोनों ने रजामंदी से मंदिर में शादी करने की ठानी। मुस्कान ने बुधवार को मंदिर में जाकर संतराम से शादी कर ली। पुलिस ने फिलहाल मुस्कान को संतराम के घर पर छोड़कर इसकी जानकारी उसके परिजनों को दे दी है।

महाराजपुर टोल प्लाजा में तोड़फोड़ व महिला से अमद्रता का आरोप, दोनों पक्षों पर एफआईआर

एमसीबी। नागपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत बरबसपुर स्थित महाराजपुर टोल प्लाजा में गुरुवार को भारी उपद्रव हुआ। मामला एक महिला के साथ कथित छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार से जुड़ा है। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पहुंचकर जमकर बवाल काटा और प्लाजा के दफ्तर में घुसकर तोड़फोड़ की। इस घटना में एलईडी टीवी, सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नागपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर अलग-अलग अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार महाराजपुर गांव की कुछ महिलाएं टोल प्लाजा में कार्यरत थीं। आरोप है कि आईटी कर्मचारी



रवि शर्मा लगातार महिला कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करता था। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और अपशब्दों का इस्तेमाल करता था। इस प्रताड़ना से परेशान होकर महिलाओं ने टोल प्लाजा में काम करना छोड़ दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद भी रवि शर्मा नहीं रुका और गांव पहुंचकर एक युवती को दोबारा काम पर आने के साथ-साथ शारीरिक संबंध बनाने का कथित प्रस्ताव दिया। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग टोल प्लाजा पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

पंडरी कपड़ा मार्केट में निगम का एक्शन जेसीबी से हटाया गया अवैध कब्जा

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी कपड़ा



मार्केट में नगर निगम ने अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम की टीम शुक्रवार को पंडरी स्थित प्रकाश होजरी होलसेल शॉप पहुंची, जहां नाली को ढंककर किए गए अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक ने नाली को कवर करने के लिए पाटा बनाकर उस पर कब्जा कर लिया था। इस मामले की शिकायत स्थानीय बस्तीवासियों ने नगर निगम से की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नाली ढंकी होने के कारण उसकी नियमित सफाई नहीं हो पाती, जिससे बारिश के दौरान जल निकासी बाधित होती है और बस्ती में पानी भर जाता है। शिकायत के आधार पर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की। निगम अधिकारियों का कहना है कि नाली पर किया गया यह निर्माण पूरी तरह अवैध था, जिसे हटाया जा रहा है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक नालियों और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से पामगढ़ क्षेत्र को बड़ी सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत पामगढ़दुलहौद मार्ग स्थित डोंगाकोहरोद बस्ती तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 605.09 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के तहत 4.337 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। यह मार्ग लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। सड़क निर्माण से डोंगाकोहरोद बस्ती सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वर्षाभर सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। नई सड़क बनने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उपज के परिवहन तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। राज्य सरकार ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

छग डाक परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल चौहान का हुआ तबादला

रायपुर। केंद्रीय संचार विभाग ने भारतीय डाक सेवा (आईपीओएस) के 7 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। जिसमें छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अजय सिंह चौहान (आईपीओएस 98) भी शामिल हैं, उन्हें उत्तरप्रदेश डाक परिमंडल भेजा गया है। श्री चौहान का तबादला महज 9 महीने में ही कर दिया गया। उन्होंने 17 नवंबर 2025 को रायपुर में पद सम्हाला था और वे उत्तर प्रदेश से ही आए थे। उनके स्थान पर 1995 बैच के प्रणव कुमार उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ (रायपुर) परिमंडल पदस्थ किए गए हैं।

18 से 23 अगस्त तक भिलाई के जयंती स्टेडियम में कथा करने प्रदीप मिश्रा

रायपुर। मध्यप्रदेश के सोहोर में चल रही ऑललाइन श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने छत्तीसगढ़वासियों को तोहफा देते हुए बताया कि वे महारात्रि के दौरान 6 दिन की शिव महापुराण कथा करने के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। श्री मिश्रा ने बताया कि 18 से 23 अगस्त तक वे भिलाई के जयंती स्टेडियम में दोपहर के 1 बजे से संध्या 4 बजे तक कथा करेंगे।

मानसून की मेहरबानी से महानदी परियोजना के बांध लबालब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सक्रिय मानसून की झमाझम बारिश से महानदी परियोजना के जलाशयों के दिन बहुर गए हैं। धमतरी जिले में स्थित प्रदेश के लाइफ-लाइन माने जाने वाले गंगरेल (रविशंकर सागर), मुरुमसिल्ली, दूधावा और सोड्हर बांध में लगातार हो रही भारी वर्षा से जलस्तर में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बांधों में पानी की इस बंपर आवक से न सिर्फ किसानों के चेहरे हिसल उठे हैं, बल्कि राजधानी रायपुर सहित कई शहरों के लिए पेयजल की चिंता भी पूरी तरह दूर हो गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चारों प्रमुख जलाशयों में कैचमेंट एरिया से लगातार पानी आ रहा है। गंगरेल बांध अर्थात् रविशंकर सागर बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 347.75 मीटर है, जिसके मुकाबले जलस्तर 343.75 मीटर तक पहुंच चुका है। वर्तमान में इसमें 399.81 मिलियन घनमीटर (लगभग 74.68 प्रतिशत) उपयोगी जल (लाइव स्टोरेज) जमा हो चुका है। बीते 24 घंटों से बांध में पानी की रफ्तार तेज बनी हुई है। मुरुमसिल्ली जलाशय का जलस्तर 423.21 मीटर दर्ज किया गया है।

हर घर शुद्ध जल सुनिश्चित करने के लिए पंचायतों को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

■ जल जीवन मिशन 2.0 छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव नीति पर उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता और सुचारू संचालन को लेकर आज मंत्रालय (महानदी भवन) में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और छत्तीसगढ़ जल जीवन मिशन के अधिकारियों के साथ संचालन एवं रखरखाव नीति पर व्यापक चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य में निर्मित सभी नल-जल योजनाओं का सफल संचालन शासन के निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीण घरों में प्रतिदिन नल से शुद्ध जल मिले, इसके लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जाए। पेयजल योजनाओं के संस्थागत व्यवस्था को पूरी तरह से ग्राम पंचायतों



को हस्तांतरित किया जाएगा, जिसके लिए पंचायतों को हर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। इन योजनाओं का रखरखाव ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के माध्यम से होगा, जिससे जन-सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण पेयजल की आपूर्ति जांचने के लिए सोशल ऑडिट (सामाजिक अंकेक्षण) कराया जाए। इसके साथ ही, प्रत्येक गाँव को ग्राम सभा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति के मुद्दे पर अनिवार्य रूप से चर्चा सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान योजना के दीर्घकालिक क्रियान्वयन के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मंथन हुआ। योजनाओं के रखरखाव के लिए

बजट प्रबंधन और उचित जल शुल्क निर्धारण पर चर्चा हुई। जल की बर्बादी (क्षति) को

कम करने और बेहतर राजस्व प्राप्ति के लिए भविष्य में बजट प्रावधानों के अनुसार वाटर मीटर लगाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। पेयजल की गुणवत्ता का मूल्यांकन, विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग व्यवस्था, अनुपालन और सामुदायिक भागीदारी लेखा परीक्षा को लेकर अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ नीति के प्रारूप और उसके विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया। इस उच्च स्तरीय बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री भीम सिंह सहित जल जीवन मिशन, पीएचई और अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उद्योगों के वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे मंत्री चौधरी

■ 12 जुलाई को रायपुर में प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के साथ होगी बैठक

रायपुर। राज्य में मानसून-2026 के दौरान प्रमुख औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित वृक्षारोपण गतिविधियों की समीक्षा तथा आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता में 12 जुलाई 2026 को दोपहर 2:00 बजे बेबीलॉन कैपिटल, जी.ई. रोड, रायपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाइयों के प्रेसिडेंट,



वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर स्तर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में मानसून-2026 के दौरान किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रमों की प्रगति, उनके

प्रभावी क्रियान्वयन, पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव, निगरानी व्यवस्था तथा उद्योगवार एक्शन प्लान की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 08 जुलाई 2026 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव श्री राजू अगसिमनी की

रायपुर में स्या सेंटरों पर पुलिस का छापा

■ लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की दी चेतावनी

रायपुर। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं स्या सेंटरों का संचालन निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पश्चिम क्षेत्र में विशेष आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्या सेंटरों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) संदीप पटेल के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में पश्चिम क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्तों, थाना प्रभारी सरस्वती नगर, आजाद चौक एवं डीडी नगर सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने थाना सरस्वती नगर, आजाद चौक एवं डीडी नगर क्षेत्र अंतर्गत संचालित विभिन्न स्या सेंटरों का आकस्मिक चेकिंग किया। अभियान के दौरान कुल 10 स्या सेंटरों की गहन जांच की गई।

चेकिंग के दौरान स्या सेंटरों में संचालित गतिविधियों, कर्मचारियों के



पहचान संबंधी दस्तावेज, आगंतुकों का रिकॉर्ड, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशील स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, वैधानिक अभिलेखों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि स्या सेंटरों का संचालन निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप किया जा रहा है तथा किसी प्रकार की अवैध अथवा संदिग्ध गतिविधि संचालित न हो।

निरीक्षण के दौरान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सभी आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखें, कर्मचारियों का सत्यापन कराएं, सीसीटीवी कैमरों को नियमित रूप से चालू रखें तथा शासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। नियमों के उल्लंघन अथवा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध विधिस्ममत कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई।

छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में बनेगा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर

बलौदाबाजार, पलारी और सिमगा के 30 से अधिक गांवों में शेड-सह-चबूतरा निर्माण को मंजूरी



इस जनहितैषी पहल पर बात करते हुए राज्य के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की मेहनत को सम्मान करने और खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू बनाने के लिए इन केंद्रों पर पहुंचते हैं। प्रशासनिक आदेश के अनुसार जिले के 30 से अधिक धान उपार्जन केंद्रों की तत्सरी बदलने के लिए प्रत्येक केंद्र को 10 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिसकी आधिकारिक मंजूरी 23 जून 2026 को जारी की गई।

स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिससे जनता को सीधा लाभ मिले। इस अधोसंरचनात्मक सुधार से केंद्रों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और किसानों को एक बेहतर व सुविधाजनक माहौल मिलेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय से साफ है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले धान खरीदी केंद्रों को मजबूत कर, सरकार सीधे तौर पर किसानों के हितों को सुरक्षित कर रही है।

इस योजना के तहत सिमगा विकासखंड के सकरी, भटथेरा, गोरदी, जांगड़ा, केसली, हिसरी, सुहेला, सकलौर, शिकारी-केसली, रावन, मोहरा, बिटकुली, नवापारा, फूलवारी, फरहदा, जरीद और हथबंद जैसे प्रमुख केंद्रों में निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसी तरह

स्कूल सिर्फ किताबी ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास की धुरी : वर्मा

■ बलौदाबाजार के स्कूलों में प्रार्थना शेड और उपस्वास्थ्य केंद्र में बनेगी बाउंड्री वॉल

रायपुर। जिला खनिज संस्थान न्यास के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों को बढ़ाकर ग्रामीण छत्तीसगढ़ का कायाकल्प किया जा रहा है। उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास पर खर्च किया जाता है। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि सरकार शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर बच्चों को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर वातावरण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए चोतरफा प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड को जिला खनिज न्यास निधि से दो बड़ी सौगातें मिली हैं। सरकार ने ग्रामीण शिक्षा को सुरक्षित बनाने के लिए स्कूलों में प्रार्थना शेड और चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर करने के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र में अहता (बाउंड्री वॉल) निर्माण को मंजूरी दे दी है।

सिमगा विकासखंड के ग्राम परसवानी और भालेसुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में प्रार्थना शेड के निर्माण के लिए प्रत्येक विद्यालय को 10 लाख रुपये (कुल 20 लाख रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।अक्सर ग्रामीण स्कूलों में प्रार्थना सभा, बालसभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और

रामगोपाल अग्रवाल पार्टी फंड के नाम पर करीब 800 करोड़ रुपए जुटाए : ईओडब्ल्यू

रायपुर। बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल पर जांच एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का दावा है कि पार्टी फंड के नाम पर करीब 800 करोड़ रुपए जुटाए गए।

एजेंसी का यह भी दावा है कि इस फंड की एंट्री और उसका मैनेजमेंट रामगोपाल अग्रवाल के जरिए किया जाता था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, यह रकम बोरी और कार्टन में भ्रकर कांग्रेस भवन लाई जाती थी, जिसके बाद हवाला नेटवर्क के जरिए दिल्ली भेजी जाती थी जांच में यह भी सामने आया कि



खेलकूद जैसी गतिविधियां खुले मैदान में होती हैं, जिससे बच्चों को कड़कती धूप, भारी बरसात या तेज ठंड का सामना करना पड़ता है। यह शेड न केवल सुबह की प्रार्थना के लिए, बल्कि बच्चों की बालसभा, सांस्कृतिक आयोजनों और परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए एक बेहतरीन मंच साबित होगा। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार होने से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के प्रति भरोसा और आकर्षण दोनों बढ़ेगा।गांवों के स्कूल सिर्फ किताबी ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास की धुरी हैं। खनिज संसाधनों का उपयोग स्थानीय जनता का जीवनस्तर सुधारने में किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सिमगा विकासखंड के ही ग्राम जांगड़ा के उपस्वास्थ्य केंद्र भवन में अहता (बाउंड्री वॉल) निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के लिए 7 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। खुला और असुरक्षित परिसर होने के कारण मरीजों, परिजनों और ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों को होने वाली व्यावहारिक दिक्कतों से राहत मिलेगी। बाउंड्री वॉल बनने से अस्पताल परिसर व्यवस्थित होगा और यहाँ आने वाले ग्रामीणों के लिए बैठने व रुकने की व्यवस्था भी बेहतर हो सकेगी, जिससे लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए दूर नहीं भटकना पड़ेगा।

रायपुर छोड़ने के बाद वे ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना समेत 8 राज्यों में रहे। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में पेश दस्तावेजों में दावा किया है कि कांग्रेस के अकाउंटेंट और रामगोपाल अग्रवाल के निजी सहायक देवेंद्र डड्डेसा ने अपने बयान में कहा कि कथित कोल लेवी घोटाले की राशि कांग्रेस भवन पहुंचती थी। वहां से इस राशि का नियंत्रण रामगोपाल अग्रवाल के पास रहता था। जांच एजेंसी के अनुसार, कोल लेवी से 52 करोड़ 62 लाख 20 हजार रुपए सीधे रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचे। ईओडब्ल्यू का दावा है कि इस रकम को लेने, संभालने और इस्तेमाल करने का काम रामगोपाल अग्रवाल ने किया।

जूदेव चौक और बीटीआई तालाब बनेंगे पथलगांव की नई पहचान



पथलगांव- अंबिकापुर मार्ग पर बस स्टैंड से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर लगभग 31.13 लाख रुपये की लागत से जूदेव चौक का निर्माण कराया जा रहा है। चौक में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा के समीप आकर्षक मिनी गार्डन विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, कलात्मक पेंटिंग, हरित क्षेत्र और अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों के माध्यम से चौक को आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है।

कलेक्टर श्री व्यास ने इसके बाद जूदेव चौक के समीप स्थित निर्माणाधीन बीटीआई तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भी

निरीक्षण किया।

लगभग 24 लाख रुपये की लागत से तालाब का सौंदर्यीकरण कराराया जा रहा है। उन्होंने स ' ब ' ि ध त अधिकारियों को कार्य में और

तेजी लाने तथा सभी निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जूदेव चौक और बीटीआई तालाब का निर्माण

एवं सौंदर्यीकरण पूरा होने के बाद यह क्षेत्र स्थानीय नागरिकों, पर्यटकों एवं आगंतुकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। साथ ही इससे पथलगांव नगर की सुंदरता, पहचान और पर्यटन संभावनाओं को भी नई पहचान मिलेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पथलगांव श्री त्रभुराज सिंह बिसेन, नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री मोहम्मद जावेद खान, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलकांत श्रीवास सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर छत्तीसगढ़			
निविदा आमंत्रण सूचना			
निविदा क्र. 21 / नि.शा./ का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड, रायपुर, दिनांक 01/07/2026			
एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत सश्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नालिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है-			
स.	कार्य का नाम	राशि (रु.लाख में)	
1	रायपुर जिले के विकासखंड अभनपुर के ग्राम मानिकचौरी जलाशय योजना के अंतर्गत दादझोरी से मानिकचौरी मार्ग निर्माण कार्य के चौड़ीकरण के दौरान क्षतिग्रस्त गार्डिंग मेन हेतु 90mm dia 10kg/cm² के UPVC पाईप 700 मीटर विछाने, जोड़ने का कार्य एवं 35 नग धरेलू नल कनेक्शन जोड़ने का कार्य। (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित) (संलग्न शेड्यूल अनुसार)	9.98	
उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, भरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने को अंतिम तिथि 14.07.2026 सार्व 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।			
कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर छत्तीसगढ़			
जी-262701997/3			

<

क्या अकाली दल बादल के लिए चुनौती बनेगा गठबंधन

इकबाल सिंह चन्नी

पंजाब के कई राजनीताओं, विशेष रूप से मनप्रीत सिंह अयाली के पुनरुसुजीत अकाली दल छोड़कर अकाली दल ‘वारिस पंजाब दे’ में शामिल होने और कई अन्य पार्टियों के नेताओं द्वारा ‘वारिस पंजाब दे’ में शामिल होने के कारण पंथक राजनीति एक बार फिर नए दौर में प्रवेश कर रही है। लंबे समय तक शिरोमणि अकाली दल (बादल) को पंथक राजनीति का मुख्य केंद्र माना जाता रहा लेकिन अब अकाली दल ‘वारिस पंजाब दे’ और अकाली दल ‘पुनरुसुजीत’ जैसी ताकतों के सक्रिय होने से राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नया राजनीतिक माहौल शिरोमणि अकाली दल (बादल) के लिए चुनौती बन सकता है? कई राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह चुनौती मुख्य रूप से अकाली वोट बैंक के बंटवारे के रूप में सामने आ सकती है। शिरोमणि अकाली दल (बादल) का ग्रामीण पंजाब और सिख मतदाताओं में कई दशकों से आधार रहा है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पार्टी को कई राजनीतिक और संगठनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान अकाली दल ‘वारिस पंजाब दे’ ने खुद को पंथक मुद्दों की नई आवाज के रूप में पेश करने की कोशिश की है। लोकसभा की 2 सीटें जीतकर इस कोशिश को कामयाबी की ओर बढ़ाया भी है। अकाली दल (अमृतसर) भी लंबे समय से अपने अलग पंथक एजेंडे के साथ सक्रिय है, जबकि अकाली दल ‘पुनरुसुजीत’ प्रभावशाली शुरुआत करने के बावजूद अकाली दल ‘वारिस पंजाब दे’ के मुकाबले कुछ कमजोर होता दिखाई दे रहा था। लेकिन अब अकाली दल पुनरुसुजीत के कई नेताओं द्वारा साहनेवाल के गुरुद्वारा रेरू साहिब में पंथक धड़ों को इकट्ठा करने के लिए एक बैठक की गई। इस बैठक में पुनरुसुजीत के कई बड़े नेता शामिल हुए और उनके द्वारा वारिस पंजाब दे, अकाली दल अमृतसर और अन्य पंथक धड़ों के साथ एकता करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी के प्रमुख सदस्य जल्येदार संता सिंह और इकबाल सिंह झुंदां ने अकाली दल वारिस पंजाब दे के बापू तरसेम सिंह और मनप्रीत सिंह अयाली सहित कई नेताओं के साथ बातचीत की है, हालांकि एक बार पहले भी गठबंधन की कोशिश की गई थी लेकिन वह सफल नहीं हुई थी, पर अब इनके द्वारा एक साझे एजेंडे पर सहमति बना ली गई है। इस तरह अकाली दल वारिस पंजाब दे और अकाली दल पुनरुसुजीत द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का रास्ता साफ हो रहा है। और इस कमेटी द्वारा जल्द ही अकाली दल अमृतसर और अन्य पंथक पक्षों के साथ एकता के बारे में बातचीत करने की संभावना है। इस समय अकाली दल बादल के मुकाबले पर अकाली दल वारिस पंजाब दे, अकाली दल पुनरुसुजीत और अकाली दल अमृतसर प्रमुख विपक्षी धड़ों के रूप में गिने जा सकते हैं। अब सोचने वाली बात है कि इस समय इन धड़ों का जन आधार क्या है। अकाली दल ‘वारिस पंजाब दे’ के प्रभाव की बात करें तो उसने खास तौर पर युवा मतदाताओं और पंथक सोच वाले वर्ग में अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यदि यह समर्थन और बढ़ता है, तो वह पारंपरिक अकाली वोट बैंक के एक हिस्से को प्रभावित कर सकता है। हालांकि यह प्रभाव पूरे पंजाब में एक जैसा होगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अकाली दल (अमृतसर) लंबे समय से पंथक राजनीति का हिस्सा है। भले ही इसे बड़ी चुनावी सफलता नहीं मिली लेकिन कुछ क्षेत्रों में इसका एक स्थायी समर्थक है। यह भी कई हलकों में पंथक वोटों के समीकरण को प्रभावित कर सकता है।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

हम व्यर्थ विस्तारभाग से यहाँ वह सब प्रसङ्ग उद्धृत नहीं करते। विज्ञ पाठक आवश्यकता पढ़ने पर तत्रैव देख सकते हैं।

सौ वर्ष की आयु का तात्पर्य

अस्तु, यह निश्चित हो गया है कि वेदादि शास्त्रों में आयुष्यविषयक शत सहस्र आदि शब्दों का अर्थ प्रायः बहुत ही है।

परन्तु एतावता यह भी न समझ लेना चाहिये कि पथ्वी क लकीर की तरह वेदोक्त शतायुर्वै पुरुषः इस प्रसिद्ध ऋषि का तात्पर्यै-- बहुत आयु वाला पुरुष ऐसा कर डालने पर ही छुट्टी मिल जायगी क्योंकि पूर्वांक आयुष्य-विधायक प्रमाणों में (१) और (८) श्रुति का मानन करने से यह विदित होता है कि सी संख्या के साथ मनुष्यायुः का अवश्य ही कुछ न कुछ गाढ़ सम्बन्ध है, अन्यथा भूयांसि शरदः शतात् इत्यादि वाक्यों में शत शब्द का अर्थ = बहुत करने पर बहुत



से बहुत और बहुत वर्षों से बहुत ऐसा ही निरर्थक सा अर्थ होगा, जिससे कुछ भी वास्तविक अभिप्राय न निकल सकेगा। इसलिए मनुष्य णुः के साथ सौ वर्ष का जो सम्बन्ध है-- हम उस रहस्य को भी प्रकट करते हैं।

आयुष्य विधायक प्रमाणों की एकवाक्यता करने पर यह तत्व निकलता है कि जिस प्रकार आजकल अमुक अमुक बाजारू चीजों का टिकाऊपन प्रकट करने के लिये उनकी निश्चित वर्षों तक की टिकाऊपन की गारन्टी स्थिर की जाती है।

ठीक इसी प्रकार मनुष्य शरीर की अवधि= आयुष्य-परिमाण, किंवा उसकी गारन्टी सो वर्ष है। परन्तु गारन्टी का यह अर्थ नहीं होता कि वस्तु किसी प्रकार भी बरती जाले पर न गारन्टी से पहिले बिगड़ सकती हो और न निश्चित गारन्टी से अधिक समय तक ठहर सकती हो।

क्रमशः ...

ज्ञान/मीमांसा

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए समझौते के मायने

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने शांतिपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में द्विपक्षीय साझेदारी की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असेैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने संबंधी कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया। मोदी और अल्बनीज की बैठक के बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणा, ऊर्जा संबंधों पर संयुक्त बयान और साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग के लिए एक खाका जारी किया। हम आपको बता दें कि असेैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े समझौते के जरिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति का रास्ता खुलेगा। इससे भारत की परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को मदद मिलेगी।

साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के साथ–साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौते पर भी तेजी से काम करने का निर्णय लिया। दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिज गलियारे पर भी मिलकर काम करेंगे। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने बढ़ते सहयोग का उल्लेख करते हुए स्वतंत्र एवं स्थिर हिंद–प्रशांत के महत्व पर जोर दिया। हम आपको बता दें कि रक्षा संबंधों को मजबूत करने की ये नयी पहल हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन द्वारा अपनी सैन्य ताकत दिखाए जाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच की गई हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सामने आई उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की आत्मीयता से भरी तस्वीरें केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत मित्रता का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि दोनों देशों के लगातार मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का सशक्त संदेश भी थीं। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री सहित ऑस्ट्रेलिया के अनेक वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख हस्तियों से प्रधानमंत्री मोदी की गर्मजोशी भरी मुलाकातों ने यह भी साबित किया कि ऑस्ट्रेलिया में उनकी स्वीकार्यता और प्रभाव लगातार बढ़ा है। देखा जाये तो मोदी और अल्बनीज के बीच विकसित हुई यह मजबूत व्यक्तिगत समझ अब दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा और नई गति



दे रही है। इसी भरोसे और राजनीतिक सामंजस्य का परिणाम रहा कि मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने ऐसे ऐतिहासिक समझौतों पर मुहर लगाई, जिन्होंने विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा दिया। नई संयुक्त रक्षा और सुरक्षा घोषणा के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और शक्ति संतुलन के सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगियों के रूप में उभर रहे हैं।

देखा जाये तो नई रक्षा और सुरक्षा घोषणा बदलते वैश्विक भू–राजनीतिक परिदृश्य में साझा रणनीतिक सोच का स्पष्ट संकेत है। इसके तहत दोनों देशों ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, संयुक्त सैन्य अभ्यासों की जटिलता और आवृत्ति बढ़ाने, सूचनाओं के आदान प्रदान, सैन्य क्षमता निर्माण, रक्षा उद्योगों के एकीकरण, रक्षा अनुसंधान, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तथा समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनाई है। यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब दीर्घकालिक सामरिक साझेदार बन चुके हैं।

दोनों देशों के बीच विशेष महत्व का विषय समुद्री सुरक्षा सहयोग है। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा को अंतिम रूप देकर हिंद महासागर और व्यापक हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा निगरानी, परिचालन समन्वय, क्षमता निर्माण और समुद्री क्षेत्र की जागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया है। भारतीय तरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा कमान के बीच हुए समझौते से समुद्री कानून प्रवर्तन, सीमा सुरक्षा तथा समुद्री अपराधों पर संयुक्त कार्रवाई को नई मजबूती मिलेगी। यह कदम ऐसे समय में उठया गया है जब हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

विश्व जनसंख्या दिवस



अपनाया।

दुनिया की आबादी 1804 में पहली बार 1 अरब तक पहुंची थी। इसके बाद चिकित्सा, टीकाकरण, स्वच्छता और कृषि क्षेत्र में प्रगति से जनसंख्या वृद्धि तेज हुई। 2022 में वैश्विक आबादी 8 अरब का आंकड़ा पार कर गई।

भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। दुनिया का लगभग हर छठ व्यक्ति भारतीय है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में भी शामिल है। विशेषज्ञों का

रक्षा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा महाविद्यालय में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति का निर्णय है। यह केवल प्रशिक्षण का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के सैन्य नेतृत्व के बीच दीर्घकालिक विश्वास, पेशेवर सामंजस्य और रणनीतिक समझ को और गहरा करने वाला कदम माना जा रहा है। साथ ही रक्षा विज्ञान, रक्षा नवाचार, स्टार्टअप, रक्षा सामग्री तथा रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग का विस्तार दोनों देशों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाएगा।

इस यात्रा की दूसरी बड़ी उपलब्धि ऊर्जा सुरक्षा और असेैनिक परमाणु सहयोग को नई गति देना रही। दोनों देशों ने वर्ष 2014 के असेैनिक परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने की प्रशासनिक व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। इसके बाद शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा इस बात का संकेत है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को साझा रणनीति के साथ पूरा करना चाहते हैं। कोयला, प्राकृतिक गैस, स्वच्छ ऊर्जा, जैव ईंधन, हरित ऊर्जा और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने पर दोनों देशों की सहमति भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

साथ ही महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने नई साझेदारी की शुरुआत की है। नई साझेदारी के पांच प्रमुख स्तंभों में आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मजबूती और रक्षा अनुसंधान को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य केवल दोनों देशों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना नहीं, बल्कि लोकातांत्रिक मूल्यों पर आधारित सुरक्षित और विश्वसनीय डिजिटल व्यवस्था का निर्माण भी है। इससे महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने पर भी सहमति जताई। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों को दीर्घकालिक

निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, आधारभूत ढांचा, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खाद्य प्रसंस्करण, विमानन और आधुनिक उद्योगों में व्यापक अवसरों का उल्लेख किया। दोनों देशों ने माना कि भारत की विशाल बाजार क्षमता और ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। बेंगलुरु में फिलंडर्स विश्वविद्यालय तथा गुरुग्राम में विक्टोरिया विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने की प्रक्रिया को स्वीकृति मिली। भुवनेश्वर में खनन और खनन उपकरण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करेगा। वैज्ञानिक अनुसंधान, पारंपरिक ज्ञान, फिल्म निर्माण, विश्वविद्यालय सहयोग तथा कौशल विकास से जुड़े अनेक समझौते दोनों देशों के बीच जन संपर्क को और मजबूत करेंगे।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तमिलनाडु से संबंधित तीन प्राचीन भारतीय धरोहरों की स्वेच्छिक वापसी पर सहमति दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और सांस्कृतिक सम्मान का प्रतीक है। भारतीय प्रवासी समुदाय को दोनों देशों के संबंधों का जीवंत सेतु बताते हुए दोनों प्रधानमंत्रियों ने लोगों के बीच बढ़ते संपर्क को साझेदारी की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा प्रभाव हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, समुद्री संतुलन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, आतंकवाद विरोधी सहयोग, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय कूटनीति पर पड़ेगा। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, समुद्री कानूनों के सम्मान, मुक्त और नियम आधारित हिंद प्रशांत, आसियान की केंद्रीय भूमिका, हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग तथा ब्रॉड साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। स्पष्ट है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब क्षेत्रीय स्थिरता के साथ–साथ वैश्विक रणनीतिक व्यवस्था को भी प्रभावित करने की क्षमता रखने वाले साझेदार बन चुके हैं।

भविष्य में भारत को वृद्ध होती आबादी और कार्यबल के संतुलन जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल आबादी की संख्या नहीं, बल्कि शिक्षित, कुशल और रोजगार से जुड़े लोगों की संख्या है। हर साल लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं। यदि रोजगार सृजन और कौशल विकास की रफ्तार नहीं बढ़ी तो बेरोजगारी सामाजिक और आर्थिक दबाव बढ़ा सकती है।

जनसंख्या का प्रभाव रोजगार के अलावा शहरीकरण, जल संकट, प्रदूषण, आवास, ऊर्जा और कचरा प्रबंधन पर भी पड़ रहा है। विशेषज्ञ समय रहते शहरी नियोजन, सार्वजनिक परिवहन और जल प्रबंधन में निवेश की जरूरत पर जोर देते हैं।

आज का इतिहास

- 1921 मंगोलिया ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1922 हॉलीवुड की स्थापना हुई। हॉलीवुड संयुक्त राज्य अमरीका के फिल्म उद्योग का नाम है।
- 1940 फ्रांसीसी विश्व युद्ध द्रु के नायक फिलिप पेइट विची राज्य के प्रमुख बने।
- 1943 अमेरिकी ने न्यू जॉर्जिया से एनोगाई की लड़ाई पर जीत हासिल की।
- 1957 इस्लामी धार्मिक नेता और मुस्लिम लीग के संस्थापक सदस्य आगा खां का निधन हुआ।
- 1960 किल दू मॉकिंगबर्ड, हार्पर ली का एक उपन्यास, जिसमें थीमोफ़ नस्लीय अन्याय की विशेषता थी और पहली बार अमेरिकनडिप साउथ में मासूमियत का विनाश हुआ था।
- 1962 उपग्रह टेलीविजन का पहला ट्रांसाटलांटिक प्रसारण किया गया था। यह संचार उपग्रह के माध्यम से टेलीविजन कार्यक्रम के संकेतों को प्रसारित करने के लिए एक प्रणाली है। इस प्रणाली के आविष्कार से पहले, विनिमय के लिए केवल नेटवर्क का उपयोग किया जाता था।
- 1975 चीन में 2200 वर्ष पुरानी कब्रगाह खोजी गयी जिसमे सैनिकों के 3000 आदमकद मूर्तियाँ दफन थी।
- 1977 मार्टिन लूथर किंग जूनियर को मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया गया।
- 1981 राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका ने अपना 13 सप्ताह की हड़ताल समाप्त कर की।
- 1986 न्यूजीलैंड की संसद ने समलैंगिक कानून सुधार को पारित कर दिया, जो कि समलैंगिक यौन संबंध को वैध बनाता है।
- 1987 दुनिया की आबादी ने पांच अरब का आंकड़ा पर कर लिया। संयुक्त राष्ट्र ने 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।
- 1987 ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री रॉबर्ट हॉक की सरकार तीसरी अर्वाधि के लिए चुनी गई।
- 1991 किंग अब्दुलअजीज इंटरनेशनलएरपोर्ट, सऊदी अरब, नाइजीरिया एयरवेज फ्लाइट 2120 से टेकऑफ के तुरंत बाद मध्य उड़ान में आग लग गई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे सभी 261 सवारियों की मौत हो गई।
- 1995 बोस्नियाई नरसंहार-बोस्नियाई सर्व बलों ने सेरेब्रेनिका, बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के क्षेत्र में सेरेब्रेनिकेमासेरे शुरू किया, जो अंततः 8,000 बोस्नीनाक्स की कुल अनुमानित संख्या थी।
- 1997 थाईलैंड के पटया शहर के सबसे खराब होटल में आग लगने से 90 लोगों की मौत हो गयी।

ट्रंप के टॉरगेट पर लॉरेंस बिशननोई! क्या है अमेरिका का ऑपरेशन हार्ड बॉल

अभिनय आकाश

जस्टिन टूडो एक दिन अपनी संसद में खड़े होकर क्रौंडबल एलिगेशन समझा रहे थे। कनाडा में एक आतंकी की हत्या के पीछे भारत का हाथ बता रहे थे। लेकिन 7 जुलाई को कनाडा के सीबीसी पर एक पत्रकार ने पुलिस की डेपुटी कमिश्नर लीसा मोलैंड से एक सवाल पूछा कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने तो यह आरोप लगाया था कि हरदीप सिंह निजर की हत्या में भारत सरकार शामिल थी उसके एजेंट क्या आपकी इस जांच में इस आरोप को लेकर कोई सबूत मिला है? इस सवाल पर डिप्टी कमिश्नर पहले कुछ सेकंड्स के लिए चुप रहे। लेकिन बाद में उन्होंने साफ कहा कि जांच ऑर्गनाइज्ड क्राइम पर फोकस्ड है और अब तक जांच में ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया जो भारत सरकार या भारतीय अधिकारियों को इस हत्या से जोड़ता हो। जिसके बाद साफ है कि द्रुडो का क्रैडिबल एलिगेशन औंध मुंह गिरा। कनाडा पुलिस ने यह खुलासा तब किया है जब कुछ ही घंटों पहले कनाडा के साथ-साथ यूएस में भी लॉरेंस बिशनोई से जुड़े 50 ठिकानों पर रेड पड़ी। दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद जस्टिस डिपार्टमेंट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में निज्जर हत्या से जुड़े खुलासे हुए। जिसमें आरोपी के तौर पर गैंगस्टर लॉरेंस बिशनोई और गोल्डी बराड का

नाम आया। हालांकि अमेरिका ने भी निज्जर हत्याकांड में भारत सरकार की किसी भूमिका का आरोप नहीं लगाया है। कैलिफोर्निया से लेकर कनाडा तक बिशनोई गैंग पर पड़ी रेड में क्या-क्या सामने आया? लॉरेंस गोल्डी बराड का गैंग कैसे ऑपरेट करता है। कैसे भय को हथियार बनाया जाता है। ऐसे आरोप भी हैं जो भ्रष्ट अफसरों के कान खड़े कर सकते हैं। जांच में पंजाब के एक एसएओ का नाम क्यों आ रहा है? और क्या जिस लॉरेंस को भारत में एक ही जेल से दूसरी जेल ले जाना संभव नहीं है, एक कानून के तहत वो प्रोविजन किया गया है। उस लॉरेंस बिशनोई को भारत अमेरिका के हवाले करेगा? तमाम मुद्दों का एमआरआई स्कैन करेंगे।

ईरान के साथ युद्ध विराम तोड़कर अमेरिका ने दुनिया में आर्थिक अस्थिरता की वापसी करा दी है। दूसरी तरफ अमेरिका की जांच एजेंसी ने अपनी कार्रवाई का रुख उस गैंग की तरफ कर दिया है जिसकी दहशत भारत, अमेरिका और कनाडा समेत दुनिया के कई देशों में है। अमेरिका ने संगठित अपराध के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान को ऑपरेशन हार्ड बॉल नाम दिया गया है। अभियान के तहत गैंगस्टर लॉरेंस बिशननोई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। लॉरेंस के साथ ही एक और गैंगस्टर गोल्डी बरार के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ है।



एफबीआई ने लॉरेंस और गोल्डी को खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का दोषी माना है।

हरदीप सिंह निजर कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में सरे शहर में रहता था। साल 1997 में पंजाब से कनाडा चला गया। शुरुआत में वहां प्लमर के तौर पर काम करता था। बाद में उसने कनाडा में शादी भी की। साल 2020 से वह सरे में एक गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का अध्यक्ष था। इसी साल हिंदुस्तान ने उसे आतंकवादी घोषित किया। निजर को खालिस्तान टाइगर फोर्स का हेड बताया जाता था। साल 2023 में कनाडा के हिस्रे में गुरुद्वारे की पाकिंग में दो नकाबपोश हमलावरों ने उसे गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद जब कनाडा की सरकार ने इस हत्या की जांच करनी शुरू की। टूडो ने इल्जाम लगाया कि इस हत्या के पीछे हिंदुस्तान है। इसके बाद यह भी सामने आया कि कनाडा अमेरिका के साथ

मिलकर इस मामले की जांच कर रहा है क्योंकि फाइव आईएस का अलायंस है। दोनों के बीच में इटेलिजेंस शेयरिंग होती है। इसी वजह से दोनों देशों ने मिलकर खुफिया जानकारी पर काम के एक दूसरे को शेयर किया। 7 8 जुलाई जिसकी हम बात कर रहे हैं। आज का जो कैंकडाउन यूएस में हुआ है। इसी मामले से जुड़ा हुआ था। अमेरिकी एजेंसियों ने इसे ऑपरेशन हार्ड बॉल कहा। 50 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी हुई। यूएस, कनाडा और यूरोप के पुलिस ने मिलकर 24 लोगों को अरेस्ट किया। इनमें से 11 कैलिफोर्निया में पकड़े गए। इसलिए कैलिफोर्निया का नाम भी आ रहा है। ये सारे लोग हिंदुस्तान से जुड़े तीन बड़े इंटरनेशनल क्राइम सिंडिकेट से जुड़े बताए जा रहे हैं। गिरफ्तारी 24 की हुई है। लेकिन कुल आरोपी 37 हैं। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने जो इंडकमेंट यानी आरोप पत्र जारी किया है उसके मुताबिक इनमें से दो आरोपी हिंदुस्तान की जेलों में रहते हुए अपना इंटरनेशनल क्राइम नेटवर्क चला रहे हैं।

दस्तावेजों में अंडरवर्ल्ड नेटवर्क का पूरा ब्लूप्रिंट

अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक लॉरेंस बिशनोई-गोल्डी बराड़ नेटवर्क का ब्लूप्रिंट तैयार है। दावा है कि कभी छत्र राजनीति से पहचान बनाने वाला लॉरेंस

बिशनोई जेल में रहते हुए भी तस्करी से पहुंचाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट के जरिए अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को संचालित करता रहा। अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक फैले इस नेटवर्क को संभालने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में भरोसेमंद सहयोगी तैनात किए गए थे। एफबीआई के मुताबिक लॉस एंजेलिस एरिया में लाखों डॉलर की रंगदारी मांगी गई। एक मामले में 50 लाख डॉलर तक की मांग का आरोप है। जांच में जग्गू भगवानपुरिया नेटवर्क का भी उल्लेख है, जिसके कथित तौर पर दुनिया भर में 1,000 से अधिक सदस्य और सहयोगी हैं।

एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 50,000 डॉलर का इनाम देने का ऐलान किया है। एफबीआई ने अपील की है कि अगर किसी के पास गोल्डी बराड़ के बारे में जानकारी हो तो वे एफबीआई की हेल्पलाइन 1-SOO-CALL-एफबीआई पर संपर्क करें या सन्नद्ध की वेबसाइट के माध्यम से सूचना साझा करें। एफबी आई के मुताबिक गोल्डी बराड़ कथित तौर पर लॉरेंस बिशनोई के क्राइम सिंडिकेट गुप का उजर अमेरिका में प्रमुख ऑपरेटर है। एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ कैलिफोर्निया समेत अमेरिका और कनाडा में कई गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी है।

कनाडा, अमेरिका और यूरोप में भारतीय मूल के करोबारियों व प्रवासियों से रंगदारी वसूली-हिंसा बढ़ने पर अमेरिकी एजेंसियों ने जांच शुरू की। ऑपरेशन हार्डबॉल में सैकड़ों अधिकारी जांच में जुटे। भारत से जुड़े 3 संगठित अपराध नेटवर्क सिशन बिशनोई, जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर सिंह ढांडा के गिरोहों का इसमें जिक्र है। 37 लोग आरोपी हैं। 24 आरोपी गिरफ्तार हुए। 11 कैलिफोर्निया में, एक इंडियाना, एक जॉर्जिया, 3 कनाडा और एक स्पेन में पकड़े गए। 7 पहले से हिरासत में थे। चार्जशीट के अनुसार, भारतीय जेलों से संचालित गिरोह विदेशों में मौजूद नेटवर्क के जरिए ड्रग्स तस्करी, रंगदारी, हथियार सप्लाई और दारोगेटेड किलिंग करते हैं। हर वारदात के बाद सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेकर लोगों में डर पैदा किया जाता, ताकि अगला शिकार बिना विरोध रंगदारी दे दे।

ऑपरेशन हार्ड बॉल के बाद सबसे बड़ा सवाल अब लॉरेंस बिशनोई को लेकर खड़ा हो गया है। क्या उसका प्रत्यर्पण होगा। कनाडा के एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बयान दिया है कि अमेरिका, निज्जर हत्याकांड और अन्य मामलों में मुकदमे के लिए भारत से लॉरेंस बिशनोई के प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है। फिलहाल लॉरेंस बिशनोई भारत की जेल में बंद है।

युद्धविराम ध्वस्तः शांति वार्ता नाकाम होने के बाद फिर गूंजी तोपें

शोभना जैन

एक तरफ ईरान जहां अपने दिग्गज नेता को अंतिम विदाई दे रहा था, दूसरी तरफ अंतरिम युद्ध विराम खंडित होने के बाद ईरान सहित पश्चिम एशिया का पूरा क्षेत्र भीषण बकाबारी से थरा रहा था। ईरान और अमेरिका के बीच गत 17 जून को हुए अंतरिम युद्धविराम के तीन हफ्ते के अंदर दोनों पक्षों ने युद्धविराम तोड़ दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इन नए हमलों के बीच कहा कि युद्धविराम खत्म हो गया है लेकिन दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता अभी भी बन सकता है। दोनों देशों के बीच ये नए हमले उस माहौल में हो रहे थे जबकि खामेनेई को सुपुर्दे खाक किए जाने से पहले अंतिम यात्रा निकाली जा रही थी। त्रासदी का एक पहलू ये भी है कि ईरान का मशहद शहर, जहां खामेनेई को सुपुर्दे खाक किया गया और जो उनका गृह नगर भी है, इन हमलों की वजह से राजधानी तेहरान और मशहद शहर के बीच रेल सेवाएं बाधित हो गईं। खामेनेई गत 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले में मारे गए थे। उनके साथ उनके परिवार के अनेक सदस्य और दुधमुंही नातिन भी मारी गईं जिसे भी परिवार के सभी सदस्यों के साथ सुपुर्दे खाक कर दिया गया। अंतिम यात्रा ने ईरान और इराक के कर्बला शहर समेत पांच शहरों से गुजरते हुए 3000 किमी तक का सफर तय किया, जिसके बाद 9 जुलाई को खामेनेई के पैतृक नगर मशहद में उन्हें सुपुर्दे खाक किया गया। अयातुल्ला की अंतिम



विदाई एक ऐसी विदाई रही जो अपने आप में इतिहास का एक अमिट अध्याय बन गई है। अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने के साथ

ही ईरान ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि अमेरिका से युद्ध के बावजूद वह अलग-थलग नहीं पड़ा है। उसके मित्र देशों के इस शोक के अवसर पर उसके साथ खड़े होने से इसे समझा जा सकता है। इस अवसर पर मौजूद भारत, रूस, चीन जैसे देशों सहित लगभग 70 से अधिक देशों का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस बात का प्रतीक था कि ईरान न केवल अमेरिका से लड़ सकता है बल्कि उसे बातचीत के लिए मजबूर कर सकता है। खामेनेई को सुपुर्दे खाक किए जाने तक क्या युद्धविराम का उल्लंघन टाला नहीं जाना चाहिए था? यह सवाल भले ही मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा हो सकता है लेकिन यह भी सच्चाई है कि अंतरिम युद्धविराम शुरू से ही लड़खड़ा रहा था। इस युद्ध से और बड़े सवाल जुड़े हैं- जिम्मै भारत जैसे देश की अर्थव्यवस्था भी शामिल है। होरमुज की खाड़ी, जो गत 17 जून से पहले से ही अनेक अनसुलझे मुद्दों से जूझ रही है, अब इस घटनाक्रम से वहां से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की आवाजाही की क्या स्थिति होगी, यह देखना होगा।

आतंकवाद बंद करे पाकिस्तान, तभी होगी वार्ता

आनंद कुमार

पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादी ढांचे पर सैन्य कार्रवाई की और साथ ही सिंधु जल संधि को स्थगित करने का निर्णय लिया। वह केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं था, बल्कि एक स्पष्ट रणनीतिक संदेश था कि आतंकवाद और सामान्य सहयोग साथ-साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि छह दशकों से भी अधिक समय तक भारत-पाकिस्तान के बीच सबसे स्थायी समझौते में से एक रही। इसने युद्धों, सैन्य संघर्षों और कूटनीतिक तनावों के बावजूद अपनी प्रासंगिकता बनाये रखी।

भारत ने इसे स्थगन की स्थिति में रखकर संकेत दिया कि विश्वास का आधार समाप्त हो जाये, तो कोई द्विपक्षीय व्यवस्था स्थायी नहीं रह सकती। यद्यपि, नदियों का प्राकृतिक प्रवाह पाकिस्तान की ओर जारी है और भारत के पास इतना भंडारण ढांचा नहीं है कि वह पश्चिमी नदियों के जल को तत्काल रोक सके, फिर भी संधि के प्रशासनिक और संस्थागत प्रावधान प्रभावी रूप से स्थगित हो चुके हैं। पाकिस्तान ने इसके उत्तर में जल विवाद को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बनाना शुरू कर दिया है। सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनिर ने घोषणा की है कि पाकिस्तान अपने हिस्से के पानी की सुरक्षा के लिए %हर आवश्यक कदम% उठायेगा। वहीं बिलावल भुट्टो जरदारी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान के जल अधिकारों से छेड़छाड़ की गयी, तो युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

इस तरह पाकिस्तान ने जल विवाद को तकनीकी और कानूनी प्रश्न के बजाय अस्तित्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के रूप में पेश करना शुरू कर दिया है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है। इस समय पाकिस्तान स्वयं भी गंभीर आंतरिक संकटों से जूझ रहा है। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी और अन्य आतंकी संगठनों ने सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिये हैं। हाल ही में जियारत जिले में पुलिस चौकी पर हमले में नौ पुलिसकर्मियों की मृत्यु इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में राज्य की पकड़ कमजोर होती जा रही है।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान भी लगातार सक्रिय है और सुरक्षा बलों को चुनौती दे रहा है। इन घटनाओं के लिए पाकिस्तान अक्सर भारत पर आरोप लगाता है, पर अब तक ऐसे आरोपों के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत



नहीं कर पाया है। वस्तुतः ये समस्याएं पाकिस्तान की आंतरिक राजनीतिक, प्रशासनिक और सुरक्षा कमजोरियों का परिणाम हैं। पीओके में लंबे समय से महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट, खाद्यान्न की कमी और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा जैसी खबरों ने स्थानीय असंतोष को और बढ़ाया है। अब यह आंदोलन केवल आर्थिक मांगों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि बेहतर शासन, राजनीतिक अधिकारों और सम्मानजनक व्यवहार की मांग भी इसका हिस्सा बन चुकी है।

ऐसे समय में पाकिस्तान की प्राथमिकता अपने आंतरिक संकटों का समाधान होना चाहिए। दूसरी ओर भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी कूटनीतिक और कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के विरुद्ध पहलगाम हमले के संबंध में आरोपपत्र दाखिल किया है। ऐसी खबरें भी हैं कि भारत वित्तीय कार्रवाई कार्यक्रम (एफएटीएफ) की आगामी बैठक में पाकिस्तान को पुनः ग्रे सूची में शामिल कराने के लिए नये साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। एफएटीएफ के इतिहास में पहली बार किसी भारतीय को इसके उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। यही नहीं, हाल ही में भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि एफएटीएफ की साख पर सवाल उठाने वाले देश अक्सर वे होते हैं, जिन्हें जांच में फंसेना का भय होता है।

स्पष्ट है कि भारत अब केवल सैन्य प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाकर पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ाना चाहता है। ऐसे समय में भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत शुरू करने की मांग आश्चर्यजनक ही है। भारत और पाकिस्तान भौगोलिक रूप से हमेशा पड़ोसी रहेंगे। लेकिन केवल भौगोलिक निकटता

किसी सार्थक वार्ता की गारंटी नहीं हो सकती। वार्ता तभी सफल हो सकती है, जब दोनों पक्ष न्यूनतम विश्वास और हिंसा से परहेज की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें। यदि एक ओर आतंकवाद जारी रहे और दूसरी ओर व्यापक राजनीतिक वार्ता की अपेक्षा की जाये, तो ऐसे प्रयास सफल होने की संभावना बहुत कम रहती है।

इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के बीच हर प्रकार का संपर्क समाप्त कर दिया जाये। व्यापक राजनीतिक वार्ता और संकट प्रबंधन के लिए आवश्यक संवाद में स्पष्ट अंतर है। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच स्थापित हॉटलाइन ने अतीत में कई बार तनाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। ऐसी व्यवस्थाओं को समाप्त करने के बजाय और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। कोलंबो में हाल ही में हुई ट्रेक-2 वार्ता इसी दृष्टिकोण का उदाहरण है। यद्यपि इन बैठकों से कोई ठोस समझौता नहीं निकला, फिर भी उन्होंने दोनों देशों के पूर्व अधिकारियों, सैन्य विशेषज्ञों और रणनीतिक समुदाय को आतंकवाद, सिंधु जल संधि और संकट प्रबंधन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया। ऐसी अनौपचारिक वार्ताएं भारत की आधिकारिक नीति को कमजोर नहीं करती। इसके उलट, ये दोनों पक्षों की सोच को समझने, संभावित जोखिमों का आकलन करने और संकट की स्थिति में संवाद के विकल्पों को जीवित रखने में सहायता करती हैं।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलित नीति अपनाने की है। सीमा पर आतंकवाद समाप्त हुए बिना व्यापक राजनीतिक वार्ता शुरू करना भारत के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप नहीं होगा। पर साथ ही सैन्य हॉटलाइन, मानवीय मामलों में सीमित संपर्क, आवश्यक राजनयिक संवाद तथा ट्रेक-2 जैसे अनौपचारिक मंचों को जारी रखना भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक हित में है। इससे एक ओर आतंकवाद के विरुद्ध भारत की कठोर नीति बरकरार रहेगी और दूसरी ओर संकट की स्थिति में तनाव कम करने के लिए आवश्यक साधन भी उपलब्ध रहेंगे। अंततः भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति केवल बैठकों और घोषणाओं से स्थापित नहीं होगी। इसके लिए पाकिस्तान को आतंकवाद के प्रति अपनी नीति में बुनियादी परिवर्तन करना होगा और यह दिखाना होगा कि वह वास्तव में शांतिपूर्ण और जिम्मेदार पड़ोसी बनना चाहता है। जब तक ऐसा नहीं होता, व्यापक राजनीतिक वार्ता की परिस्थितियां नहीं बनेंगी।

नीरज कुमार दुवे

शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसदों के पाला बदलने को लेकर उठी नई अटकलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या संसद के मॉनसून सत्र से पहले विपक्ष को एक और बड़ा झटका मिलने वाला है। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के ताजा दावे ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है कि अब निशाने पर शरद पवार की पार्टी है और सियासी गलियारों में इसे तुरतरी अभियान का नाम दिया जा रहा है। पृथ्वीराज चव्हाण का कहना है कि शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसद बेचैन हैं और उन पर केंद्र की ओर से भारी दबाव है। उनका दावा है कि जिस तरह उड़व ठाकरे की शिवसेना को कमजोर किया गया, उसी तरह का घटनाक्रम अब शरद पवार की पार्टी के साथ भी हो सकता है। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि यह सांसद आखिर किस दल में जाएंगे, इस पर वह कोई निश्चित दावा नहीं कर सकते, लेकिन उनकी बेचैनी की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोर पकड़ चुकी है। इस दावे को और बल तब मिला जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे ने यह कहकर नई बहस छेड़ दी कि यदि सत्तारूढ़ महायुक्ति की ओर से प्रस्ताव आता है तो वह उस पर विचार करेंगे। इस एक बयान ने विपक्षी खेमे की बेचैनी बढ़ा दी है।

यदि सचमुच पांच या छह सांसद पाला बदलते हैं तो महाराष्ट्र की राजनीति में विपक्ष की बची खुची ताकत को भी गहरी चोट लग सकती है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल और राजनीतिक आत्मविश्वास दोनों मजबूत होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इसी बीच शरद पवार और एकनाथ शिंदे की विधान भवन में हुई सिष्टाचार मुलाकात ने भी राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। उड़व ठाकरे खेमे के नेता संजय राउत ने इसे लेकर खुली नाराजगी जताई और कहा कि इससे उन लोगों का सम्मान बढ़ता है जिन्हें उनकी पार्टी अपने टूटने का जिम्मेदार मानती है। वहीं पृथ्वीराज चव्हाण ने हालांकि इस मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत संबंध बनाए रखने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि शिवसेना का आहत होना

हमलों का सामना करने के बाद, वे (ईरान के लोग) शायद काफी सुरक्षित महसूस कर रहे होंगे। अंतिम संस्कार के कार्यक्रमों के दौरान हुए इन हमलों का समय यह दिखाता है कि सरकार जीत का जश्न मना रही है कि वे आखिरकार युद्ध से बाहर निकल आए हैं और अब भी जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। इसमें निश्चित रूप से एक संदेश है।'

जानकारों का कहना है कि भले ही युद्ध से पहले जहाजों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के हो रही थी, लेकिन ईरान का संदेश यह था कि वह इस जलडमरूमध्य पर अपना नया नियंत्रण जमाना चाहता है। अमेरिका ने ईरान पर दशकों से लगे तेल प्रतिबंध हटा दिए थे, फिर उन्हें तुरंत लागू कर दिया। ईरान ने कहा कि उसे इसकी परवाह नहीं है। ईरान के अर्थशास्त्री और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाक के सलाहकार, माइजिद शाकरी ने सरकारी टेलीविजन पर कहा, ‘कमाई से ज्यादा जरूरी नियंत्रण है। या तो हम इस जलडमरूमध्य पर अपना कब्जा बनाए रखेंगे, या फिर हममें से हर कोई इसके लिए शहीद हो जाएगा।'

विश्लेषकों का कहना है कि दोनों पक्ष तीखी बयानबाजी और डोंगें हांकने के आदी हैं और बातचीत के बजाय अक्सर युद्ध का सहारा लेते हैं। हालांकि, ट्रंप ने बातचीत को फिर से पटरी पर लाने के विचार को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। ईरान के कट्टरपंथी लंबे समय से बातचीत के खिलाफ रहे हैं। इसलिए, जलडमरूमध्य को लेकर हुए समझौते से पीछे हटने की मांग भी उठ रही है। अटलॉटिक कार्डसिल के सीनियर फेलो और ट्रंप के पहले कार्यकाल में नेपाल सिक्वोरिटी कार्डसिल में ईरान के लिए निदेशक रह चुके नेट स्वानसन ने कहा, ‘लगतान है कि यह दिखावा है। यह वैसा ही है, जैसा ट्रंप करते हैं। वह आक्रामक कार्रवाइयों और जोरदार धमकियों के जरिये बातचीत करते हैं, इसलिए कुछ मायनों में वे एक ही भाषा बोल रहे हैं।'

ऑपरेशन तुतारी होने वाला है कामयाब?

स्वाभाविक है क्योंकि उसकी पीड़ा अलग है। इस बयान ने साफ कर दिया कि महा विकास आघाड़ी के भीतर भी भरोसे की डोर पहले जैसी मजबूत नहीं रह गई है।

इसी बीच एक और दिलचस्प परत सामने आई है। लंबे समय से यह चर्चा चल रही है कि शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में विलय हो सकता है। लेकिन कांग्रेस के ही कई वरिष्ठ नेताओं ने इस संभावना पर आपत्ति जताई है। उनका मानना है कि यदि ऐसा हुआ तो महाराष्ट्र कांग्रेस में शरद पवार और सुप्रिया सुले का प्रभाव बढ़ जाएगा और मौजूदा प्रदेश नेतृत्व हाशिये पर चला जाएगा। यानी विपक्ष केवल बाहर से ही नहीं, भीतर से भी कई मोर्चों पर उलझा हुआ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा, पृथ्वीराज चव्हाण ने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को संसद में दो तिहाई बहुमत मिल गया तो वह अपनी वैचारिक और राजनीतिक प्रामाणिकताओं को तेजी से आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने संविधान, परिसीमन और बड़े संवैधानिक फैसलों को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। अब सबकी नजर 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र पर टिकाई है। यदि उससे पहले विपक्षी दलों के कुछ और सांसद सत्ता पक्ष के साथ चले जाते हैं तो संसद का पूरा राजनीतिक गणित बदल सकता है।

देखा जाये तो महाराष्ट्र लंबे समय से राजनीतिक प्रयोगशाला बना हुआ है। वहीं पहले शिवसेना टूटी, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी विभाजित हुई और अब यदि शरद पवार की पार्टी के सांसद भी बड़ी संख्या में पाला बदलते हैं तो यह केवल एक राज्य का घटनाक्रम नहीं रहेगा। इसका सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी दिखाई देगा। विपक्ष की एकजुटता पर नए सवाल उठेंगे, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और मजबूत होकर उभरेगा।

बहरहाल, फिलहाल यह तय नहीं है कि तुतारी अभियान केवल राजनीतिक चर्चा है या जल्द सामने आने वाली वास्तविकता। लेकिन इतना स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की राजनीति अभी शांत होने वाली नहीं है। मॉनसून सत्र से पहले की यह खामोशी दरअसल किसी बड़े राजनीतिक खेल की प्रस्तावना भी हो सकती है। आने वाले कुछ दिन यह तय करेंगे कि क्या भारतीय राजनीति का अगला बड़ा अध्याय महाराष्ट्र से ही लिखा जाने वाला है।

कभी सोचा है कि मानव रूप में जो भगवान धरती पर आए थे, उनकी मृत्यु कैसे हुई।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ़ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है।

संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ़ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

मनुष्य रूप में जन्म लेने के कारण ईश्वर को भी धरती से वापस जाना पड़ा। हम इसीलिए उन्हें पूजते हैं, क्योंकि उनके जीवन की हर घटना हमारे पूरे अस्तित्व को बदल सकती है। हम उनकी लीलाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि अवतार रूप में संसार में आने वाले देव पुरुष किस तरह यहां से वापस गए थे।

श्रीकृष्ण को बहेलिए ने मारा तीर

महाभारत की समाप्ति के बाद कृष्ण को इसका जिम्मेदार मानते हुए कौरवों की मां गांधारी ने उन्हें शाप दिया था। उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि ‘आप जानते थे इस युद्ध का परिणाम कितना भयावह होगा और इतने लोगों की मौत होगी, फिर भी आपने इसे नहीं रोका। मैंने आपसे कितनी बार इस युद्ध को रोकने का आग्रह किया, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। पुत्रों को खोने का दर्द अपनी मां देवकी से पूछो कि पुत्रों को खोने का गम क्या होता है।’ फिर उन्होंने गुस्से से कहा कि ‘अगर मैंने पूरे मन से भगवान विष्णु की पूजा की हो और अपने पति की पूरे मन से सेवा की हो, तो जैसे मेरा कुल समाप्त हुआ, तुम्हारा कुल भी तुम्हारी आंखों के सामने समाप्त हो जाएगा और तुम देखते रह जाओगे। द्वारका तुम्हारे सामने ही समुद्र में डूब जाएगी और यदुवंश का नाश हो जाएगा।’

इतना कहने के बाद जब क्रोध शांत हुआ तो गांधारी भगवान श्रीकृष्ण के कदमों में गिर पड़ीं। भगवान ने उन्हें उठाया और कहा कि ‘माता मुझे आपसे इसी आशीर्वाद की प्रतीक्षा थी, मैं आपके शाप को ग्रहण करता हूं।’ इसके बाद गांधारी और यदुवंश के बच्चों को ऋषियों से मिले शाप के कारण द्वारका के लोग अनुशासनहीन हो गए और उनमें बुरी आदतें आ गईं। एक बार उत्सव के लिए

सरयू नदी में समा गए श्रीराम

पद्म पुराण के अनुसार, श्रीराम से मिलने एक बार एक संत आए और उन्होंने उनसे एकांत में बात करनी चाही। श्रीराम ने आदेश दिया कि कोई भी उनकी बातचीत के बीच न आए और इसकी जिम्मेदारी लक्ष्मण को दी। साथ ही संत के कहने पर प्रतिज्ञा की कि अगर किसी ने उनकी बात सुनी और बीच में आया तो उसे मृत्युदंड मिलेगा। दरअसल, संत के रूप में वो महाकाल आए थे, जिन्होंने राम से कहा कि हे प्रभु। धरती पर आपका रहने का समय समाप्त हो चुका है, इसलिए अब आप अपने श्रीधाम में पधरें। इसी बीच द्वार पर महाक्रोधी दुर्वासा ऋषि आए और श्रीराम से मिलने की जिद करने लगे। उन्होंने कहा कि अगर अभी लक्ष्मण ने उनसे मिलने न दिया तो वे राम को शाप दे देंगे। लक्ष्मण भाई के आदेश से बंधे थे, फिर भी उन्होंने भाई को शाप से बचाने के लिए खुद का जीवन दाव पर लगाने की टानी खे श्रीराम के पास चले गए और दुर्वासा ऋषि के आने की जानकारी दी। श्रीराम को अपनी प्रतिज्ञा याद करके बहुत दुःख हुआ। वे अपने परम प्रिय भाई को मौत की सजा भला कैसे दे सकते थे।

लक्ष्मण का जाना

पहले के समय में देश से निकाला जाना भी मृत्युदंड के बराबर ही माना जाता था। इसलिए श्रीराम ने लक्ष्मण को देश छोड़ कर चले जाने का आदेश दिया। पर बिना श्रीराम के लक्ष्मण नहीं रह सकते थे, इसलिए उन्होंने जाकर सरयू नदी में समाधि ले ली और फिर शेषनाग के रूप में



अपने लोक चले गए। उनके बिना श्रीराम का मन नहीं लगता था, फिर एक दिन उन्होंने भी इस लोक से जाने का निश्चय किया और सरयू नदी के आंतरिक भू-भाग तक जाकर उसमें लीन हो गए।

यदुवंशी सागर किनारे एकत्र थे। इसी दौरान किसी बात पर नशे में डूबे इन लोगों में लडाई शुरू हो गई। इसके बाद वहां उगी एरका नामक घास से लोग एक-दूसरे पर प्रहार करने लगे। वो घास शाप के प्रभाव के कारण मूसल बन जाती थी और इन लोगों की मृत्यु हो जाती थी। इस तरह नष्ट हुए वंश के बाद श्रीकृष्ण एक बार जंगल में एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे, तभी एक तीर आकर उनके तलवों में लगा।

बहेलिए ने शिकार समझकर तीर मारा था। उसने बहुत माफी मांगी, लेकिन श्रीकृष्ण को तो इसी बहाने अपने धाम जाना था और वो चले गए।

देवताओं के अंश पांडव

महाभारत युद्ध के उपरांत अपनी प्रजा की सेवा करने के कुछ समय बाद जब श्रीकृष्ण भी इस लोक से जा चुके थे, तो पांडव भी द्रौपदी समेत स्वर्ग जाने के लिए निकले। ये सभी पांडव किसी न किसी देवता का रूप या अंश थे। अनेक तीर्थों, नदियों व समुद्रों की यात्रा करते-करते पांडव आगे बढ़ने लगे। यात्रा करते-करते पांडव हिमालय तक पहुंच गए, हिमालय लांघ कर पांडव आगे बढ़े तो उन्होंने सुमेरु पर्वत के दर्शन किए। वहीं से पहले द्रौपदी फिर सारे पांडव एक-एक करके मरने लगे, सिर्फयुधिष्ठिर और उनके साथ ही चल रहा कुत्ता जीवित रहा। इसके

शिव का अर्थ है कल्याण

महंत रविंद्र पुरी महाराज धर्मनगरी के प्रख्यात शिव विद्या के उपासकों में से एक माने जाते हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने 1984 में संन्यास ग्रहण किया था। वर्तमान में वे कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर के परमाध्यक्ष व महानिर्वाणी अखाडा के सचिव हैं। सर्वेश्वर भगवान शिव की जगत कल्याणकारी अनेक लीलाओं का वर्णन शिव पुराण के अंतर्गत श्री व्यास जी ने किया है। इसका पठन पाठन श्रवण कर सांसारिक प्राणी तो क्या देवताओं ने भी मनोवांछित फल की प्राप्ति की है। इसके अलावा मानव जगत में शिव मोक्ष के देव हैं। शिव के पूजन के कई तरह के विधि विधान शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। लेकिन, यदि देखा जाए तो शिव से सरल और कोई देव नहीं है। वास्तव में शिव ही इस संसार का सत्य हैं। पृथ्वी पर जितने उपासक शिव के हैं अन्य किसी देवता के नहीं हैं, क्योंकि शिव ही सभी रूपों में विद्यमान हैं। शिव महापुराण में वर्णित है कि भगवान शिव ने विष्णु भगवान से कहा था कि ‘त्रिदेवा अपि में रूपं हरः पूर्णो विशेषतः। उमाया अपि रूपाणि भविष्यन्ति त्रिधा सुता।।’

अर्थात है तात् यद्यपि ब्रह्म हरि तथा तुम तीनों ही मेरे रूप हो परंतु विशेषकर हरि ही मेरा पूर्ण रूप है, इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती तथा उमा शक्ति के भी तीन रूप हैं, किंतु उमा सब में पूर्ण रूप हैं। विष्णु रूप की लक्ष्मी, ब्रह्म रूप की सरस्वती तथा हरि रूप की उमा अर्धांगिनी होगी इसलिए सिर्फहर यानि शिव को पूजने से ही सभी देवताओं की कृपा प्राप्त हो जाती है। शिव का वास श्मशान में भी माना जाता है, इसलिए श्मशान की भस्म का पूजन भी विशेष पूजन विधियों में आता है। कनखल से भगवान शिव का आदि काल से नात है। यह पृथ्वी पर मात्र एक ऐसा मानव सभ्यता वाला नगर है जहां पर साल में श्रवण मास में शिव वास करते हैं।



सुख की चाहत हर किसी को होती है। इसके चलते ही लोग परिश्रम करते हैं ताकि धन के जरिए सुख को प्राप्त किया जा सके। लेकिन सुख मन से भी मिलना चाहिए। इसके लिए घर का वास्तु बेहतर होने बेहद जरूरी है।

किचिन को यहां बनाने से होती है किच-किच

दुनिया के हर धर्म में रसोईघर को बेहद अहम माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी किचन को लेकर कई टिप्स दिए गए हैं।

रसोईघर के लिए फेंग शुई के उपाय

● विभिन्न ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार रसोईघर को शुभ दिशा में होना चाहिए। यदि रसोईघर सही दिशा या स्थिति में नहीं है तो यह कई प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकता है। फेंगशुई के अनुसार रसोईघर के लिए निम्न उपाय हैं।

● फेंगशुई के अनुसार रसोईघर को घर के पूर्व व दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए , क्योंकि ये दोनों दिशाएं वायु और प्रकाश का संचालन करती

हैं।

● रसोईघर की दीवारों का रंग सफेद रखना चाहिए। सफेद रंग स्वच्छता की निशानी माना जाता है।

● रसोईघर में टूटे हुए बर्तन, और शीशा कभी नहीं रखने चाहिए। ऐसी चीजें अशुभ साबित हो सकती हैं।

● जरूरत न होने पर रसोई का दरवाजा बंद ही रखना चाहिए।

● झाड़ू और पोछे को रसोईघर से दूर रखना चाहिए। ऐसी चीजें घर में अन्न की कमी का आभास कराते हैं।

● रसोईघर को घर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसे में विवाद होना संभव है।

● रसोईघर में बिजली के अत्यधिक

उपकरण नहीं रखने चाहिए।

● चाकू, कैंची या किसी अन्य कटार को रसोईघर की दीवार पर नहीं लटकाना चाहिए।

● इस्तेमाल में न आने वाले बर्तन व बासी भोजन को रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।

● किचन में हमेशा अच्छे मूड से जाना चाहिए।कहा जाता है एक हैप्पी कूक इज द बेस्ट कूक।

रसोईघर उपकरण के लिए फेंग शुई के उपाय

● चूल्हा, स्टोव या गैस, रसोईघर में इस प्रकार से रखा होना चाहिए कि जातक दरवाजे को देख सके। इससे मनुष्य तनावमुक्त होता है।

● रसोईघर में माइक्रोवेव ओवन को दक्षिण- पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, जिसके फलस्वरूप रसोईघर स्वतः ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है।

● रेफ्रिजरेटर एक इलेक्ट्रिक मशीन है, जिसे ऐसे स्थान या मंडल में रखना चाहिए जो जातक के लिए विशेष प्रेरक के रूप में हो।

● दक्षिण दिशा में रेफ्रिजरेटर रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, क्योंकि दक्षिण दिशा का तत्व ‘अग्नि’ है।

● जिसके फलस्वरूप दक्षिण दिशा, रेफ्रिजरेटर के ठंडे तापमान से मेल नहीं खाता।

विविध

जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, भगवान ने खुद यहां कई रूपों में अवतरित होकर दुनिया का उद्धार किया है। संसार के कल्याण के लिए उन्होंने तमाम

लीलाएं रचीं और लोगों को जीवन का गूढ़ पाठ पढाया। जन्म लेने का मकसद पूरा होने के बाद हमारी ही तरह उन्होंने भी दुनिया को अलविदा कहा था।

बाद उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए स्वयं देवराज इंद्र अपना रथ लेकर आए। तब युधिष्ठिर ने इंद्र से बाकी पांडवों के मरने का कारण पूछा।

इंद्र ने बताया कि पांचाली अर्जुन से ज्यादा मोह के चलते और भीम को बल का, अर्जुन को युद्ध कौशल का, नकुल को रूप और सहदेव को बुद्धि पर घमंड था।

इसके कारण वे सशरीर स्वर्ग नहीं जा पाए। इन तथ्यों को जानने के बाद एक बात तो साफ है कि ये दुनिया नश्वर है और यहां जन्मे हर जीव पर एक ही नियम लागू होता है। जो आया है, उसे जाना ही होगा, चाहे इन्सान हो या भगवान।

अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

भगवान इंद्र के कहने पर दधीचि ने किया था ‘असथि दान’

एक बार देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों का अहंकार हो गया और उन्होंने गुरु बृहस्पति को अपनी बातों से दुखी कर दिया। बृहस्पति के देवलोक छोड़ते ही देवताओं की शक्तियां कम हो गईं और असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नाना प्रकार की कोशिशें करने के बाद महर्षि विश्वरूप की कृपा से देवता जीत तो गए, लेकिन इंद्र ने दोबारा गलती कर दी। उन्होंने अपनी बातों से विश्वरूप को दुखी कर दिया। विश्वरूप के साथ छोड़ते ही वृतासुर नाम के असुर ने देवराज इंद्र पर आक्रमण कर दिया। देवराज भागकर सीधे भगवान विष्णु की शरण में आ गए। विष्णु ने उनसे कहा कि अहंकार

के वशीभूत होकर आपने जो गलती की है, वह अक्षम्य है। ऐसी स्थिति में महर्षि दधीचि ही आपकी रक्षा कर सकते हैं। इंद्र ने दधीचि के पास जाकर कहा कि श्री विष्णु के बताए उपाय के अनुसार, यदि आप अपनी अस्थियां दान में दे दें तो उनसे वज्र बनाकर वृतासुर से युद्ध किया जा सकता है। तब दधीचि ने कहा कि यदि मेरी अस्थियां जनकल्याण के काम में लायी जाती हैं, तो मैं तैयार हूं। उन्होंने अपने शरीर पर मिश्रान्न का लेपन किया और समाधिस्थ हो गए।

कामधेनु गाय ने उनके शरीर को चाटना आरंभ कर दिया। कुछ देर में महर्षि के शरीर की त्वचा, मांस और मज्जा उनके शरीर से विलग हो गए। मानव देह के स्थान पर सिर्फ उनकी अस्थियां ही शेष रह गईं। इंद्र ने उन

अस्थियों से ‘तेजवान’ नामक वज्र बनाया। इस वज्र के बल पर उन्होंने वृतासुर को ललकारा। ‘तेजवान’ वज्र से प्रहार कर इंद्र ने वृतासुर का वध कर डाला। सच ही कहा गया है कि अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।



बाद उन्हें स्वर्ग ले जाने के लिए स्वयं देवराज इंद्र अपना रथ लेकर आए। तब युधिष्ठिर ने इंद्र से बाकी पांडवों के मरने का कारण पूछा।

इंद्र ने बताया कि पांचाली अर्जुन से ज्यादा मोह के चलते और भीम को बल का, अर्जुन को युद्ध कौशल का, नकुल को रूप और सहदेव को बुद्धि पर घमंड था।

मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है नींद

अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक नींद को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं, लेकिन अगर ध्यान तकनीक का यूज किया जाए तो यह नींद के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।

नींद विश्रांति का सबसे अच्छा तरीका है जो ध्यान, मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है। इसीलिए जो लोग अच्छी नींद लेते हैं, वे सदैव तन से भी सेहतमंद रहते हैं और मन से भी प्रफुल्लित रहते हैं। शेक्सपीयर के अनुसार नींद प्रतिदिन के जीवन के लिए मृत्यु, कठिन परिश्रम के लिए स्रान, घायल मस्तिष्क के लिए शान्तिदायिनी औषधि और क्षतिपूर्ण शरीर के लिए अमृतकुंड है।

वस्तुतः मृत्यु के अनंतर भी हम एक लंबे विकास की स्थिति में होते हैं और जिस तरह हंसते-खेलते शिशु के रूप में हम पुनः जीवन धारण करते हैं, ठीक उसी तरह प्रतिदिन की नींद के बाद भी नवचेतना के साथ नया जीवन प्राप्त कर हम पुनः अपने कामकाज में लग जाते हैं. वाह! यह कैसा अद्भुत खेल है प्रकृति का यह कैसी महान कृपा है निद्रादेवी की मनुष्य

समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्पिया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग

समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्पिया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग

सिंड्रोम एवं नार्कोलेप्सी जैसे विविध नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त हैं। भारत में हुए एक ताजा सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि बड़े महानगरों में रहनेवाले लगभग 75 प्रतिशत से भी अधिक लोग नींद संबंधी शिकायतों को लेकर अपने डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं। क्यों क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक निद्रा को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं। हमारी नींद को प्रभावित करनेवाला अन्य एक महत्वपूर्ण कारक है हमारा आहार। जी हां। यह एक चिकित्सकीय सिद्ध तथ्य है कि खराब मानसिक स्वास्थ्य प्रतिकूल

अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को नींद की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

कई व्यक्ति तीन-चार घंटे की नींद में ही पूर्ण विश्राम ले लेते हैं, जबकि बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो आठ-दस घंटे सोने पर भी पर्याप्त विश्राम नहीं ले पाते। अतः निद्रा का समय व्यक्ति विशेष को अपनी आवश्यकतानुसार दिनचर्या में समाविष्ट करना चाहिए। शास्त्रकारों के अनुसार प्रातः जल्दी उठना और रात्रि को जल्दी सो जाना उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम है।

ईश्वर बाहर नहीं, आपके मन में



आत्म-सत्ता को यदि परिष्कृत कर लिया जाए, तो वही परमात्म-सत्ता में

विकसित हो सकती है। अर्थात् यदि हम अपने गुणों को निखार लें, तो हम अपने भीतर के भगवान को जान सकते हैं। समझा जाता है कि विधाता ही एकमात्र निर्माता है। ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता नहीं हिलता। इन दोनों बातों से कोई भ्रम में भी पड़ सकता है कि परमात्मा काखिर मनुष्य ही ठहरा, जो मृत में जीता हुआ इतनी अमूल्य सौगात, जिसकी इतना और जोड़ना चाहिए कि विधाता

से मिलने का सबसे निकटवर्ती स्थान अपना अंतःकरण ही है। वैसे तो ईश्वर सत्ता के भगवान को जान सकते हैं। सत्ता के भगवान की माना जा सकता है, पर यदि दूर जाना संभव न हो, तो अपने अंतःकरण को टटोलना चाहिए। उसी में बैठे परमात्मा को हृदय खेलकर मिलने की अभिलाषा पूरी कर लेनी चाहिए। काल्पनिक उड़ान भरने से बात कुछ नहीं बनती।

सोनम रघुवंशी की जमानत फिलहाल बरकरार

नई दिल्ली। इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यापारी राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हुई हत्या के मामले मे आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत के खिलाफ दाखिल मेघालय सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट



अब मंगलवार को सुनवाई करेगा. तब तक यानी फिलहाल सोनम रघुवंशी की जमानत पर रिहाई बरकरार रहेगी. सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई मंगलवार 14 जुलाई को करेगा. सुप्रीम कोर्ट ने मेघालय सरकार को सोनम की गिरफ्तारी के समय उसे दिए अरेस्ट मेमो और अन्य दस्तावेजों की कॉपी दायर करने को कहा है. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि टाइपो एरर को कोर्ट ने जमानत का आधार बनाकर सोनम को जमानत पर रिहाई दे दी है.बता दें, भारतीय न्याय संहिता बहूः की धारा 103 की जगह गलती से 403 टाइप हो गया था।

महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने की तैयारी



मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उसके मसौदे को तैयार करने के लिए संवैधानित्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यीय

उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में यह घोषणा करते हुए कहा कि समिति के सदस्यों के नाम भी तय कर दिए गए हैं. यह सात सदस्यीय समिति समान नागरिक संहिता से जुड़े सभी कानूनी, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का व्यापक अध्ययन करेगी व अगले 6 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशों सहित रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी. समिति की रिपोर्ट के आधार पर सरकार यूसीसी का मसौदा अंतिम रूप देगी. राज्य सरकार का प्रयास रहेगा कि आगामी नागपुर शीतकालीन विधानसभा सत्र में समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक विधानसभा और विधान परिषद, दोनों सदनों में प्रस्तुत किया जाए और उसे पारित कराया जाए।

शंकराचार्य की शरण में पहुंचे सपा प्रमुख



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासी तपिश के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की. इस

दौरान दोनों के बीच राम मंदिर में चंदा चोरी, गोरक्षा और सनातन धर्म के मुद्दे पर बातचीत हुई. उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की सियासी सरगमी के बीच शंकराचार्य की शरण में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे. अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की और आशीर्वाद लिया. चुनावी तपिश और राम मंदिर चंदा चोरी को चर्चा के बीच शंकराचार्य से मुलाकात के बाद अखिलेश ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, गोरक्षा और सनातन धर्म के मुद्दे पर बीजेपी को कठघरे में खड़े करते नजर आए. ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से अखिलेश यादव की करीब आधे घंटे की मुलाकात में हुई. शंकराचार्य के शरण में अखिलेश यादव बैठे हुए नजर आए।

आरजेडी प्रवक्ता के निष्कासन पर फूटा रोहिणी का गुस्सा



पटना। राष्ट्रीय जनता दल में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है. पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सारण जिले के पार्टी प्रवक्ता हरेलाल यादव को छह साल के लिए

पार्टी से निकाले किए जाने पर नाराजगी जताई है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट लिखकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और कुछ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं. रोहिणी आचार्य ने सवाल उठाया कि क्या अब पार्टी की भलाई के लिए सच बोलने और ईमानदारी से काम करने वाले लोगों के लिए आरजेडी में कोई जगह नहीं बची है? उन्होंने कहा कि हरेलाल यादव पर अनुशासनहीनता का झूठा आरोप लगाकर उन्हें पार्टी से बाहर करना दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है. रोहिणी के मुताबिक, यह कार्रवाई उन लोगों ने कराई है, जो खुद पार्टी को लगातार कमजोर कर रहे हैं और संगठन के साथ विश्वासघात कर रहे हैं।

सीजेपी ने किया संसद मार्च का ऐलान



नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट कर रही काँकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि वह 20 जुलाई को मॉनसून सत्र के पहले दिन संसद तक

शांतिपूर्ण मार्च करेगी. यह ऐलान तब किया गया, जब गुरुवार को भारी बारिश के बीच जंतर-मंतर पर उनका विरोध प्रदर्शन 20वें दिन में प्रवेश कर गया. युवाओं के नेतृत्व वाला यह संगठन परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है. सीजेपी ने दिल्ली पुलिस पर आरोप लगाया है कि भारी बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों को विरोध स्थल पर तिरपाल लाने से रोका गया. गुरुवार सुबह जारी एक बयान में सीजेपी ने कहा, 20 जुलाई को हमारा संसद मार्च जंतर-मंतर से शुरू होगा. इस मार्च में शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल होंगे, जो 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं. काँकरोच जनता पार्टी ने देश भर के स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और लोगों से मार्च में शामिल होने की अपील की है।

पश्चिम बंगाल राज्यसभा उपचुनाव

भाजपा उम्मीदवारों के चयन ने दिए नए राजनीतिक संकेत

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सदस्यों सुष्मिता देव, सुखेंद्र शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक को पार्टी में शामिल करने के कुछ ही घंटों के भीतर उन्हें पश्चिम बंगाल से होने वाले राज्यसभा उपचुनाव का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसे इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि सत्तारूढ़ पार्टी अब राज्य की राजनीति में विपक्ष के चुनिंदा नेताओं को अपने साथ जोड़कर और संगठन का विस्तार कर अपनी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद यह पहली बार है जब भाजपा ने तृणमूल के पूर्व नेताओं को अपने दल में शामिल किया है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि चुनाव के बाद तृणमूल नेताओं के प्रवेश पर लगाया गया अनौपचारिक प्रतिबंध उन नेताओं पर लागू नहीं होगा जिन्हें भाजपा राजनीतिक रूप से प्रभावशाली और भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त मानती है। सुष्मिता देव, सुखेंद्र शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक ने विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद राज्यसभा की सदस्यता और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया था और अब वे लगभग एक महीने बाद भाजपा के टिकट पर फिर से संसद पहुंचने के लिए तैयार हैं।

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इन नेताओं को शामिल किए जाने को एक असाधारण मामला बताया और कहा कि इससे पार्टी की पहले की नीति में कोई बदलाव नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के दरवाजे भ्रष्टाचार के



आरोपों से घिरे तृणमूल नेताओं के लिए बंद हैं, लेकिन जिन्होंने भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग में हिस्सा नहीं लिया, उनका पार्टी में स्वागत है। इसके जरिए भाजपा ने विपक्षी नेताओं को संदेश दिया है कि राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नेताओं को पार्टी में सिर्फ जगह ही नहीं मिलेगी, बल्कि उन्हें सम्मानजनक पहचान भी दी जाएगी।

निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा की तीनों रिक्त सीटों के लिए अलग-अलग चुनाव होंगे और प्रत्येक सीट को स्वतंत्र चुनाव माना जाएगा। हालांकि तीनों उपचुनाव एक ही कार्यक्रम के तहत कराए जाएंगे। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 207 विधायक हैं, जिसके चलते पार्टी प्रत्येक सीट पर अपने दम पर जीत हासिल करने की मजबूत स्थिति में है। इसके विपरीत विपक्ष की स्थिति कमजोर है, और यदि ममता बनर्जी और न्रब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुट साथ आ भी जाएं,

जिसकी संभावना कम है, तब भी उनके पास मिलाकर केवल 80 विधायक ही हैं।

चूंकि तीनों सीटों का चुनाव अलग-अलग कराया जा रहा है, इसलिए हर सीट पर जीत के लिए अलग-अलग बहुमत चाहिए। भाजपा के पास अपने दम पर पर्याप्त विधायक हैं, जबकि विपक्ष के पास किसी एक सीट के लिए भी पर्याप्त संख्या नहीं है। इसी कारण भाजपा पूरे आत्मविश्वास के साथ तृणमूल के तीनों पूर्व सांसदों को मैदान में उतार सकती। दूसरी ओर, विधानसभा चुनाव में हार के कुछ ही सप्ताह बाद तृणमूल के तीन वरिष्ठ सांसदों के पार्टी छोड़ने से यह धारणा बनी है कि तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक दबाव से गुजर रही है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने कहा कि ये सीटें तृणमूल कांग्रेस की थीं और चुनाव के बाद पार्टी छोड़ने वालों का फैसला बंगाल की जनता करेगी, क्योंकि इतिहास गद्दारों के प्रति कभी उदार नहीं रहा। वहीं भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विधानसभा चुनाव ने बंगाल की राजनीति की तस्वीर बदल दी है और जो अनुभवी व बेदाग नेता बंगाल के पुनर्निर्माण में योगदान देना चाहते हैं, उनके लिए भाजपा में जगह है। इस घटनाक्रम की तुलना ओडिशा से भी की जा रही है, जहां भाजपा ने बीजू जनता दल के पूर्व राज्यसभा सदस्यों को अपनी पार्टी में शामिल कर उपचुनाव के जरिए उन्हें फिर संसद पहुंचाया था।

संसेक्स 800 अंक उछला निफ्टी 24,200 के करीब

नईदिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत और आईटी शेयरों में खरीदारी के दम पर संसेक्स और निफ्टी दोनों मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। खासतौर पर पीएसयू बैंक, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों ने बाजार की तेजी में अहम भूमिका निभाई। बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 827.09 अंक यानी 1.08 फीसदी की बढ़त के साथ 77,569.39 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी50 244.10 अंक यानी 1.02 फीसदी चढ़कर 24,206.90 पर बंद हुआ। बाजार की तेजी में आईटी सेक्टर का अहम योगदान रहा। टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद आईटी शेयरों में खरीदारी बढ़ी, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में तेजी का असर भी घरेलू बाजार पर देखने को मिला।

जून तिमाही में टीसीएस के नतीजे अनुमान से बेहतर रहे

नईदिल्ली। तिमाही नतीजों का असर शुक्रवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के स्टॉक पर देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में शेयर 2 फीसदी उछल गया। टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे अनुमान से बेहतर रहे। सालाना आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 4.6 फीसदी और आमदनी 13.9 फीसदी बढ़ी है। राजस्व, डील बुकिंग और एआई कारोबार में मजबूती रही। हालांकि वेतन बढ़ोतरी और एआई में निवेश की वजह से मार्जिन पर दबाव रहा। नतीजों पर ब्रोकरेज हाउसेस की मिलीजुली राय है। ज्यादातर का मानना है कि आने वाली तिमाहियों में कंपनी का प्रदर्शन सुधर सकता है। उन्होंने शेयर पर 46 फीसदी तक अपसाइड के टारगेट दिए हैं। ब्रोकरेज हाउस नुवामा टीसीएस पर सबसे ज्यादा बुलिश है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का ऐलान



नई दिल्ली। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी। सलीमा की कहानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी।

भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, हमारे पास ऐसी टीम में जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रयास करते हैं। पद्मश्री से नवाजि गई सविता और बिबू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चाजू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ एफआईएच नेशंस कप के जरिए सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है।

मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलित टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी। फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा, %इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिये तैयार है।%

एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीम: गोलकीपर: सविता, बिबू देवी खारीबम। डिफेंडर : इशिका चौधरी, सुशीला चानू, लालथांटलुआंगी, ज्योति , शिल्पी डबास। मिडफील्डर : सलीमा, निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलित टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग। फॉरवर्ड : लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर, दीपिका, इशिका, ब्यूटी डुंगडुंग।

अभिलाष खांडेकर

फीफा विश्व कप, जो निस्संदेह ओलंपिक के बाद सबसे बड़ा खेल आयोजन है, दुनिया भर के अनगिनत युवाओं और बुजुर्गों का मनोरंजन कर रहा है। खेल निस्संदेह मानव जीवन का एक ऐसा क्षेत्र है जो कई तरह की भावनाओं का मिश्रण है और हार को स्वीकार करने व जीत पर विनम्रतापूर्वक प्रसन्न होने की खेल भावना को समान रूप से विकसित करता है। यह मतभेदों के बावजूद एक अनुद्ध बंधन भी सिखाता है और खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों में यह भावना पैदा करता है कि नियमों से बंधे मैदान में नैतिक दृष्टिकोण और विरोधियों के प्रति सम्मान ही वास्तव में जीवन में सबसे अधिक मायने रखता है।

भारत और विदेशों में लाखों घरों में युवाओं को जकड़े हुए फुटबॉल का बुखार 19 जुलाई को अंतिम मुकाबले के साथ समाप्त होगा, लेकिन इसने अपने पिछले

संस्करणों की तरह ही कई आश्चर्यजनक परिणाम सामने लाए हैं और आगे भी लाएगा। लेकिन मेरा दिल सबसे पहले तब टूटा जब पिछले हफ्ते नॉर्वे से ब्राजील 2-1 से हार गया।

एर्लिंग हॉलैंड ने दो जबरदस्त गोल करके वैश्विक फुटबॉल के ब्रांड ब्राजील की हार का फैसला कर दिया। इतिहास गवाह है कि ब्राजील के लिए यह ग्रुप मैच जीतना जरूरी था, क्योंकि वह पिछले मुकाबलों में नॉर्वे की टीम से कम से कम तीन बार हार चुका था। फिर भी, ब्राजील हार गया, जिससे चारों ओर से आलोचनाएं होने लगीं कि ‘फुटबॉल के बादशाह’ के रूप में उसके सुनहरे दिन लद गए हैं।

और सिर्फ एक ‘ब्रांड’ इतने कड़े मुकाबले वाली प्रतियोगिता को नहीं जीत



सकता, बल्कि एक मजबूत टीम ही जीत सकती है। 1958 से, ब्राजील (जिसकी आबादी अब लगभग 22 करोड़ है) ने जब स्वीडन को हराकर पहला खिताब जीता था, तब से उसने 1962, 1970, 1994 और अंत में 2002 में पांच बार कप जीता और कीर्तिमान बनाया है। उसके बाद उनके लिए सूझा शुरू

हो गया जो दो दशकों तक जारी है। यह 17 वर्षीय सनसनीखेज खिलाड़ी पेले (1940-2022) ही थे जिन्होंने कई दशक पहले स्वीडन को हराकर अपने देश को पहला खिताब दिलाया था। उस समय अविकसित देशों में फुटबॉल मुकाबलों का सीधा प्रसारण उपलब्ध नहीं था, जैसा कि हम आज आसानी से अपने घरों में देखते हैं। फिर भी, पेले अपनी उत्कृष्ट डिबलिंग और सटीक स्ट्राइकिंग क्षमता के कारण विश्व स्तर पर

अब ब्रिटेन से लगजरी कारें मंगाना हुआ सस्ता

नईदिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच हुई नई ट्रेड डील को लेकर सरकार ने नए नियम जारी कर दिए हैं। ये नियम 15 जुलाई से लागू होने जा रहे हैं। अब ब्रिटेन से कार मंगवाने वाली कंपनियों को सस्ते टेक्स का फायदा उठाने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होगी। इस समझौते के तहत, ब्रिटेन से आने वाली चुनिंदा कारों पर लगने वाला भारी-भरकम टेक्स, जो अभी 110% तक जाता है, उसे घटाकर सिर्फ 10% तक कर दिया जाएगा। इससे विदेशी कारें भारतीय बाजार में काफी सस्ती हो जाएंगी और लोगों के पास प्रीमियम गाड़ियों के ज्यादा विकल्प होंगे। नए नियमों के मुताबिक, अगले 15 सालों में ब्रिटेन से करीब 3.78 लाख कारों को कम टेक्स पर भारत लाया जा सकेगा। योजना के पहले साल के लिए 20,000 कारों का कोटा तय किया गया है। इसमें बड़े इंजन वाली लगजरी कारों पर टेक्स 110% से घटाकर सीधे 30% कर दिया गया है।

फुटबॉल उत्कृष्टता के पर्याय बन गए।

उनके द्वारा तैयार की गई जमीन को देखते हुए, ब्राजील के कई प्रशंसकों को उम्मीद थी कि उनका देश अपने पुराने फॉर्म में लौटेगा और ‘ब्रांड ब्राजील’ की प्रतिष्ठा फिर से स्थापित होगी। ब्राजील की टीम का जल्दी बाहर होना मेरे जैसे लाखों प्रशंसकों को निराश करता है, लेकिन साथ ही यह भी दर्शाता है कि कई नए दावेदार मैदान में

नॉर्वे, जिसे शुरुआत में कमतर आंका गया था, ने उस मैच में इतना शानदार प्रदर्शन किया कि उसने लाखों नए प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सिर्फ 55 लाख की आबादी वाले इस देश को फुटबॉल में वैश्विक शक्ति नहीं माना जाता था, लेकिन इसने 1998 में ग्रुप मैच में मौजूदा चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराया था। इस साल की शानदार जीत ने इस छोटे से स्कैंडिनेवियाई देश को क्रांटर फाइनल

जून में पहली बार घटी मोटापा घटाने वाली दवाओं की बिक्री

नई दिल्ली। भारत में मोटापा कम करने वाली दवाओं (जीएलपी-1) की बिक्री में जून महीने के दौरान पहली बार मासिक गिरावट दर्ज की गई है। नोवो नॉर्डिस्क की सेमाग्लुटाइड दवा का पेटेंट सांसारिक होने के बाद बाजार में सस्ते जेनेरिक विकल्पों की बाढ़ आ गई थी, जिससे अप्रैल और मई में बिक्री में तेज उछाल देखने को मिला। हालांकि, अब यह तेजी धीमी पड़ती नजर आ रही है। हेल्थकेयर रिसर्च फर्म फार्माईक की रिपोर्ट के अनुसार, जून में जीएलपी-1 दवाओं की बिक्री घटकर 227 करोड़ रुपए रह गई, जबकि मई में यह 236 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर थी। मार्च में सेमाग्लुटाइड का पेटेंट खत्म होने के बाद बाजार 180 करोड़ रुपए से बढ़कर अप्रैल में 218 करोड़ रुपए तक पहुंच गया था।

में पहुंचा दिया।

पुर्तगाल का टूर्नामेंट से बाहर होना उतना चौंकाने वाला नहीं था, लेकिन जिस तरह से उन्होंने स्पेन को कड़ी टक्कर दी और आखिरी क्षणों में जीत हासिल करने दी, वही फुटबॉल और चैंपियनशिप की खूबसूरती है। मुकाबला आखिरी सीटी तक बेहद रोमांचक रहा। पेले की तरह, पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भी खेल जगत में जबरदस्त लोकप्रियता थी।

पुर्तगाल को 0-1 की इस हार का लम्बे समय तक अफसोस रहेगा, क्योंकि इसने रोनाल्डो के शानदार करियर का भी अंत कर दिया, जिन्होंने पुर्तगाल के लिए 233 मैच खेले। इस बेहतरीन ड्रिबलर को देखकर सबकी आंखें नम हो गईं। पुर्तगाल के यूरोपीय पड़ोसी देश स्पेन में फुटबॉल क्लबों की संख्या बहुत अधिक है और यह देश यूरोप में एक बहुत महाशक्ति है।

